भाद्रपद शुक्ल पक्ष दशमी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 60 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
02 सितंबर 2025 मंगलवार

आज का मौसम
29 अधिकतम
25 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

# दोपहर मेट्रो

Page-7

# पचास फीसदी से ज्यादा आरक्षण में अब हैं कई अदालती पेंच

संविधान संशोधन से नवमी अनुसूची में शामिल कर तमिलनाडू में 69 फीसदी आरक्षण इसलिए जारी है, क्योंकि इसे किसी ने अदालत में चुनौती नहीं दी।

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

लेकिन संविधान की जिस नवमी सूची को लेकर मप्र में आरक्षण सीमा 50 फीसदी से ज्यादा करने पर अदालती पेंच फंस सकता है, वह आई आर कोयल्हो बनाम तमिलनाडू सरकार के केस में देश की सुप्रीम अदालत की लैंडमार्क रूलिंग है। इसमें संसद के द्वारा संविधान में ऐसे संशोधनों पर रोक लगाई गई है। सुप्रीम अदालत ने केशवानंद भारती केस में कहा था कि 24 अप्रैल 1973 के बाद ऐसा कोई भी विषय नवमीं सूची में नहीं जोड़ा जा सकेगा जो संविधान के बुनियादी सिद्धांतों का उल्लंघन करते हुए सुप्रीम कोर्ट के पुर्नविचार करने के अधिकार को रोकता हो। अदालत ने कहा था कि नवमीं अनुसूची में भूमि सुधार जैसे कुछ कानूनों को छोडक़र ऐसे कोई भी अन्य विषय नहीं जोड़े जा सकते जो संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकारों को चुनौती देते हों। मूल

### मुद्दा पिछड़ों को आरक्षण बढ़ाने का पार्ट- 2

अधिकारों की अनदेखी करने से रोकने का यह फैसला विवाद का विषय भी बना था। तब इसे सुप्रीम कोर्ट ने अपने दायरे को दरकिनार करने की बात कहते हुए रोका था। कोर्ट ने कहा था कि नवमीं अनुसूची के जरिए ऐसा कोई भी फैसला नहीं किया जा सकता जो संविधान के बुनियादी अधिकारों की रक्षा के लिए उसके सुप्रीम अदालत में पुनरीक्षण के अधिकारों पर अतिक्रमण करता हो या उन्हें समाप्त करता हो। इस फैसले ने इस अनुसूची के तहत शामिल विषयों की पुष्टि करने के लिए हुए रिव्यू के अधिकारों को बहाल किया था। यानि आई आर कोयल्हो की याचिका पर हुए इस निर्णय को न्यायपालिका और संसद के अधिकारों के बीच संतुलन करने वाला फैसला माना गया था। यह संयोग ही कहा जाएगा कि किसी ने भी तमिलनाडू में आरक्षण की सीमा बढ़ाकर 63 फीसदी करने को लेकर सुप्रीम कोर्ट में चुनौती नहीं दी। इसके चलते यह तमिलनाडू में अभी भी लागू है लेकिन आगे किसी भी राज्य के लिए नवमीं अनुसूची में आरक्षण की सीमा बढ़ाने का कोई फैसला होगा तो सुप्रीम कोर्ट का 2007 का फैसला आड़े आएगा।

## अजीत जोगी आनारक्षित कोटे से बने थे कलेक्टर

*जमीनी हकीकत के बतौर देखें तो प्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग की 27 नहीं बल्कि 48 फीसदी से ज्यादा आबादी निवास करती है। अनुसूचित जाति और जनजाति को भी इसी आबादी के अनुपात में आरक्षण दिया गया है। बाकी बचे ओहदे सामान्य वर्ग के लिए नहीं बल्कि सभी के लिए खुले हैं। यानि वे अनारक्षित हैं। इन पर किसी भी वर्ग का प्रतियोगी अपनी काबिलियत के बूते स्थान बना सकता है। यदि वह बनाता है तो उसकी गिनती आरक्षित कोटे में नहीं बल्कि अनारक्षित वर्ग के कोटे में की जाती है। लेकिन जो प्रतिशत आरक्षित है वह आरक्षित वर्गों के लिए ही सुरक्षित है। मिसाल के तौर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री बने अजीत जोगी ने आरक्षण की बैसाखी के बगैर ही एमएसीटी (अब मैनिट) भोपाल में दाखिला लिया था। उन्होंने गोल्ड मैडेलिस्ट के बतौर इंजीनियरिंग परीक्षा पास की। यही नहीं संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में भी उन्हें आरक्षित कोटे की जरूरत नहीं पड़ी और वे पहले आईपीएस और बाद में आईएएस अफसर बने। उनकी जाति तब विवादों के घेरे में आई जब उन्होंने शहडोल की आदिवासियों के लिए आरक्षित सीट से चुनाव लड़ा। विपक्ष ने उनके आदिवासी होने पर यह कहकर सवाल उठाए थे कि उनके पिता आदिवासी नहीं बल्कि बिलासपुर के सतनामी समाज से ताल्लुक रखते थे जो अनुसूचित जाति के तहत आती है। हालांकि यह भी कहा जाता है कि उनकी मां आदिवासी थीं और पिता सतनामी थे। लेकिन कानून के मुताबिक जाति का निर्धारण पिता की जाति के आधार पर होता है। इसके लिए लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी गई। यदि जोगी सियासत में आने की हसरत नहीं पालते तो उनकी जाति पर कभी कोई सवाल ही नहीं उठता क्योंकि वे बाकी परीक्षाएं तो अनारक्षित कोटे से पास करके आगे बढ़े थे। हाल ही में हमारे एक मित्र और लोक निर्माण विभाग के बड़े अफसर की बेटी आरक्षित वर्ग से होने के बावजूद अनारक्षित कोटे से राज्य लोक सेवा की परीक्षा पास करके डिप्टी कलेक्टर बनी, क्योंकि मैरिट में उसने दूसरी पायदान पर अपना मुकाम बनाया था। उसका नाम आरक्षित वर्ग की सूची में नहीं गिना गया। ऐसे ही हमारे एक और अनुसूचित जाति के मित्र के दो बेटे और एक बेटी आरक्षण का लाभ लिए बगैर अमेरिका में बरसों से सापटवेयर इंजीनियर के बतौर सेवाएं दे रहे हैं। इसके विपरीत मप्र में ही एक ऐसे भी अफसर हैं जिनके परिवार के एक-दो नहीं 18 सदस्य आरक्षण के बूते अखिल भारतीय सेवाओं के अफसर हैं।*

पंजाब में भारी बारिश से पुल टूट गया।

### कहीं पुल टूटे तो कहीं लैंडस्लाइड, स्कूल-कॉलेज बंद

# बारिश से हाहाकार, बाढ़ ने हिमाचल पंजाब-उत्तराखंड में मचाई तबाही

**नईदिल्ली, एजेंसी**

देशभर में मॉनसूनी बारिश से हाहाकार मचा हुआ है। हिमाचल, उत्तराखंड से लेकर मैदानी राज्यों दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और महाराष्ट्र तक बारिश से बुरा हाल है।

सोमवार सुबह से दिल्ली-एनसीआर में ऐसी बारिश हुई जो मंगलवार दोपहर तक थमने का नाम नहीं ले रही है। जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश की वजह से जमीन का एक बड़ा हिस्सा धंस गया है। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू-मनाली, मंडी और चंबा में लगातार बारिश हो रही है। किन्नौर में चट्टानें गिरने और सड़क धंसने से नेशनल हाईवे-5 बंद हैं। ब्यास नदी फिर उफान पर है। मनाली से 20 किमी दूर बर्फबारी भी हुई है। महाराष्ट्र के वर्धा में भारी बारिश के बीच सड़कें बह गई हैं। स्कूल-कॉलेज बंद हैं और 3 जिलों में रेड अलर्ट जारी किया है। हरियाणा और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में लगातार भारी बारिश की वजह से अंबाला के आवासीय क्षेत्रों में जलभराव देखा। पंजाब पिछले एक महीने से भीषण बाढ़ से जूझ रहा है। यहां बाढ़ से 1300 गांव झील बन गए हैं।

### मप्र में अगले 72 घंटे भारी बारिश, 14 जिलों में अलर्ट

भोपाल। सात सितंबर को खत्म हो रहे भादौ मास को विदाई देने के लिए एक बार फिर बादलों ने प्रदेश में डेरा डाल लिया है। मानसूनी ट्रफ की गतिविधियों से आज 14 से ज्यादा जिलों में झमाझम बारिश हो रही। मौसम विभाग के मुताबिक, एमपी में अगले 72 घंटे अति भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। प्रदेश में सीजन का कोटा 39 इंच है। इनमें से अब तक सीजन में 37.72 इंच बारिश हो चुकी है।

### सुप्रीम कोर्ट में आईएस नवनीत कोठारी, श्रीमन शुक्ला और उमा माहेश्वरी को बचाने की कोशिश

# सिया विवाद पर शासन के हलफनामे में झोल ही झोल, तर्क भी गोलमोल

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

मध्यप्रदेश स्टेट एन्वायरन्मेंट इम्पैक्ट असेसमेंट अथॉरिटी (सिया) की मीटिंग के बगैर 237 प्रोजेक्ट्स को पर्यावरणीय स्वीकृति देने के ममले में सर्वोच्च अदालत के दखल के बाद भी प्रदेश सरकार आईएएस अफसरों के बचाव में जुटी है। सुप्रीम कोर्ट के नोटिस के बाद सरकार की ओर से जो हलफनामा पेश किया गया है, वह यही दर्शाता है। इसमें सरकार ने कहा है कि सिया की मीटिंग नहीं हो पाने की वजह से पर्यावरण विभाग के प्रमुख सचिव के अनुमोदन से प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दे दी गई। जबकि, हकीकत यह है कि सरकार के अफसरों ने ही मीटिंग नहीं होने दी। बावजूद इसके कि सिया अध्यक्ष बार बार मीटिंग बुलाने के लिए चिट्ठी लिखते रहे। मीटिंग हुई नहीं ओर पीएस पर्यावरण मंजूरी देते रहे। सिया चेयरमैन ने सरकार के रुख के खिलाफ केंद्र को पात्र लिखा था। इसी आधार पर दायर जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने सरकार को नोटिस जारी किये थे। इस पर सरकार ने 43 पेज का जवाब पेश करते हुए जो हलफनामा दिया है वह गोलमोल है ओर उसमे कई झोल दिखाई देते हैं। सरकार कह रही है कि सिया को निर्धारित अवधि में मामलों का निपटारा करना था लेकिन वह नहीं कर पाया। सिया कि मीटिंग न हो पाने के लिए भी अध्यक्ष को ही जिम्मेदार ठहरा दिया गया है। जबकि सच यह है कि इस माल 10 से 20 मई के बीच सिया अध्यक्ष शिवनारायण सिंह चौहान ने आठ बार सदस्य सचिव आर उमा माहेश्वरी को पत्र लिखा लेकिन उन्होंने मीटिंग नहीं बुलाई। दिलचस्प तथ्य यह भी है कि सुप्रीम कोर्ट के नोटिस के बाद ताबड़तोड़ ढंग से बदलाव करते हुए जब से अशोक बर्णवाल को एप्को महानिदेशक की और दीपक आर्य को सदस्य सचिव की जिम्मेदारी दी गई है तब से सिया की नियमित रूप से मीटिंग भी हो रही है और प्रोजेक्ट की मंजूरी भी हो रही है।

हालांकि सरकार की तरफ से पेश हलफनामे में पूर्व में मीटिंग न होने की कोई वजह नहीं बताई गई है। पर सरकार के जवाब से यह स्पष्ट है कि वह ब्यरोक्रेसी को बचाने के लिए सारी जिम्मेदारी सिया के अध्यक्ष पर ही डाल रही है। प्रोजेक्ट की मंजूरी देने वाले तत्कालीन प्रमुख सचिव नवनीत कोठारी की ओर से भी एक इंटरवीनर याचिका सुप्रीम कोर्ट में दायक की गई है, लेकिन इसे कोर्ट ने अभी स्वीकार नहीं किया है। मामले की अगली सुनवाई 7 अक्टूबर को संभावित है।

### डीम्ड परमिशन का खेल

अनुमति के लिए सिया के पास प्रकरण आने के बाद 45 दिन के भीतर निराकरण करना होता है अन्यथा डीम्ड परमिशन जारी कर दी जाएगी। इसी नियम का फायदा उठाते हुए 237 मामलों में पीएस नवनीत कोठरी के अनुमोदन से मंजूरी दी गई। इस दौरान मेंबर सेक्रेटरी उमा माहेश्वरी छुट्टी पर चली गई थी ओर उनकी जगह आए एप्को के कार्यकारी निदेशक रहे श्रीमन शुक्ल ने फ़ाइल अनुमोदन के लिए भेज दी। जबकि पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 में स्पष्ट है कि 250 हेक्टेयर तक के प्रोजेक्ट की अनुमति सिया द्वारा ही दी जाएगी। इसमें प्रदेश के पर्यावरण मंत्रालय की कोई भूमिका ही नहीं है। अधिनियम यह भी कहता है कि नियम विरुद्ध अनुमति देने पर पांच साल तक की सजा और एक लाख तक का जुर्माना हो सकता है।

## 80 हजार करोड़ रुपए की परियोजनाओं को मंजूरी

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

सीएम मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में कई अहम फैसले लिए गए हैं। बैठक में

**मोहन कैबिनेट की मीटिंग**

राज्य के समग्र विकास, स्वास्थ्य नीतिगत विषयों और प्रशासनिक फैसलों पर चर्चा की गई। हर घर जल पहुंचाने 80 हजार करोड़ की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। 2028 में होने वाले सिंहस्थ को देखते हुए उज्जैन में आरओबी बनाने की मंजूरी दी गई। हर गांव गांव योजना और खिलाड़ियों को विदेश यानि ब्राजील में कोचिंग के लिए भेजने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई।

## राहुल का एटम के बाद अब हाइड्रोजन बम

**पटना, एजेंसी**

बिहार में राहुल गांधी के नेतृत्व में महागठबंधन की वोटर अधिकार यात्रा की शुरूआत एटम बम के साथ हुई थी और करीब 16 दिन बाद उन्होंने हाइड्रोजन बम का ऐलान करते हुए इस यात्रा का समापन किया। राहुल ने कहा कि एटम बम से बड़ा हाइड्रोजन बम होता है। हम हाइड्रोजन बम के साथ तैयार हैं। वहीं कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि हाइड्रोजन बम के साथ 6 महीने में सरकार गिर जाएगी।

### विपक्ष को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में बिहार एसआईआर को लेकर हुई सुनवाई में राहत का कोई आदेश नहीं हुआ। चुनाव आयोग ने कहा कि बिहार के लिए वोटर लिस्ट के ड्राफ्ट के संबंध में दावे और आपत्तियां एक सितंबर की समय सीमा के बाद भी दायर किए जा सकते हैं। इस पर कोई रोक नहीं है। कोर्ट ने उस याचिका पर कोई विशेष निर्देश देने से इनकार कर दिया, जिसमें इसके लिए और समय मांगा गया था। राजद ने एक आवेदन में दावे और आपत्तियां दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय मांगा था।

## भोपाल में मेडिकल कारोबारी समेत 30 ठिकानों पर ईडी और आईटी का छापा

**भोपाल।** आयकर विभाग और प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने एक साथ 30 ठिकानों पर छापेमारी को अंजाम दिया है। सुबह ईडी टीम शहर के लालघाटी में पंटवटी पार्क स्थित राजेश गुप्ता के घर पहुंची। वहीं, आईटी की टीम कंप्यूटर के थोक व्यापारी के ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। इसके लिए बड़ी संख्या फोर्स को बुलाया गया है। पहली छापेमारी मेडिकल सर्जिकल सामान कारोबारी राजेश गुप्ता के घर में की गई। दूसरी छापेमारी को आईटी द्वारा कंप्यूटर के थोक कारोबारी के कई ठिकानों पर अंजाम दिया गया। आईटी की टीम कंप्यूटर के थोक व्यापारी के एक से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। कार्रवाई अयोध्या बायपास में भी चल रही है। दाता कॉलोनी में रहने वाले मनोज गुप्ता हार्डवेयर एवं प्लायवुड के व्यापारी बताए गए हैं। इसके अलावा मेडिकल कारोबारी शैलेंद्र तिवारी भी आयकर के रडार पर हैं।

### आज का कार्टून

**मेट्रो एंकर**

### सागर के बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में रजिस्ट्रेशन के साथ शुरू हुई सुविधा

# बिना दर्द नॉर्मल डिलीवरी पर रिसर्च सफल मुस्कुराते हुए भी दे सकेंगी बच्चे को जन्म

**सागर, एजेंसी**

प्रसव के समय असहनीय पीड़ा झेलने वाली महिलाओं के लिए सागर के बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज से अच्छी और राहत भरी खबर सामने आई है। यहां महिलाओं की बिना दर्द के डिलीवरी कराने की रिसर्च सफल रही है। सामान्य प्रसव भी बिना दर्द के होगा। इस रिसर्च को इंडियन जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च में पब्लिश किया गया है। इसके बाद यह सुविधा रेगुलर बेस पर मेडिकल कॉलेज में शुरू कर दी गई है। बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज संभवत प्रदेश का पहला ऐसा केंद्र बन गया है, जहां महिलाएं इस तरह की डिलीवरी करवा सकती हैं, लेकिन यह मरीज की सहमति मिलने के बाद ही किया जाएगा।

मेडिकल कॉलेज में एनेस्थीसिया विभाग में कार्यरत चेन्नई की डॉ. विनिशा ने 120 मरीजों पर उनकी अनुमति से इस शोध कार्य को पूरा किया। यह रिसर्च करीब ढाई साल पहले शुरू की गई थी. इस प्रयोग से बच्चे और मां पर कोई साइडइफेक्ट नहीं मिला है। डॉ. विनिशा ने बताया कि विभाग अध्यक्ष डॉ. सर्वेश जैन के गाइडेंस में उन्होंने यह रिसर्च की थी.

**मरीज को निःशुल्क मिलेगी सुविधा:**

सागर संभाग के किसी भी प्राइवेट या सरकारी अस्पताल में रेगुलर बेसिस पर यह सुविधा उपलब्ध नहीं है। जबकि महानगरों की प्राइवेट अस्पतालों में दर्द रहित सामान्य प्रसव के लिए मरीजों को 25 से 50 हजार रुपए अतिरिक्त वहन करने होते हैं। बीएमसी में यह सुविधा निःशुल्क शुरू कर दी गई है। संबंधित महिलाएं एनेस्थीसिया विभाग में जाकर अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकती हैं। प्रसव पीड़ा शुरू होने पर परिजन डॉक्टर्स से संपर्क कर सकते हैं.

### रोपिवाकेन दवा के साथ पहली बार शोध

मेडिकल कॉलेज में एनेस्थीसिया विभाग के अध्यक्ष डॉ.सर्वेश जैन ने बताया कि सामान्य प्रसव के लिए जब गर्भाशय में संकुचन अर्थात कॉन्ट्रैक्शन आते हैं तो दर्द का एहसास होता है। यदि इस दर्द को स्पाइनल कॉर्ड के लेवल पर ही सुन्न करने की दवा डाल कर ब्लॉक कर दिया जाए तो मरीज का सामान्य प्रसव भी हो जाता है और कष्टकारी एहसास भी नहीं होता। चिकित्सा विज्ञान में यह तरीका दशकों से अपनाया जा रहा था, लेकिन अभी एक नई दवा रोपिवाकेन के साथ बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में इस पर रिसर्च किया गया है। रोपिवाकेन के साथ कोई साइड इफेक्ट नहीं होता।

नारियल खेड़ा चौराहा गणेश जी की झांकी

# राजधानी में गणेशोत्सव की धूम

नारियल खेड़ा चौराहा श्रीगणेश की झांकी

गोविंदपुरा सिक्योरिटी लाइन में विराजे गणपति

**भोपाल।** राजधानी में गणेशोत्सव की धूम है। जगह-जगह विराजे श्रीगणेश का भक्त पूजन और अचर्ना कर रहे है।

### आठ किमी लंबे प्रायोरिटी कॉरिडोर को अंतिम रूप देने में जुटा एमपी मेट्रो

# सीएमआरएस टीम की हरी झंडी के बाद ही राजधानी में दौड़ेगी मेट्रो

**भोपाल, दोहपर मेट्रो**

राजधानी भोपाल के सुभाष नगर मेट्रो डिपो से लेकर एम्स अस्पताल तक करीब आठ किलोमीटर लंबे प्रायोरिटी कारिडोर पर मेट्रो का संचालन शुरू करने के लिए एमपी मेट्रो अंतिम तैयारियों में जुटा हुआ है। 15 सितंबर के बाद दिल्ली से आने वाली कमिश्नर मेट्रो रेल सेफ्टी (सीएमआरएस) की टीम भोपाल मेट्रो का निरीक्षण करने आ सकती है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे ने सुभाष नगर डिपो और मेट्रो स्टेशन का निरीक्षण कर सीएमआरएस संबंधी कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। दुबे ने प्रोजेक्ट से संबंधित हर एक पहलू पर मेट्रो अधिकारियों से पूरी परियोजना के क्रियान्वयन, डिजाइनिंग, सिविल वर्क, सिस्टम, वित्त आदि विषयों पर बात की और सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन का निरीक्षण कर कारिडोर में चल रहे काम को देखा। इस अवसर पर एमडी एस. कृष्ण चैतन्य, सीईओ अंजू अरुण कुमार सहित मेट्रो के अधिकारीगण, जनरल कंसल्टेंट और मेट्रो निर्माण कॉनट्रैक्टर के प्रतिनिधी उपस्थित रहे। प्रायोरिटी कारिडोर पर चल रहे कामों पर मेट्रो का अधिक फोकस है। वर्तमान में स्टेशन कानकोर्स लेवल पर कंट्रोल रूम, सिस्टम रूम, आमजन संबंधी सुविधाओं सहित प्लेटफार्म लेवल पर काम तेजी से चल रहा है।

**फाइलें पोर्टल पर अपलोड हो चुकी**

वहीं डिपो स्थित ऐड्मिन बिल्डिंग मे कंट्रोल रूम, प्रमुख सिस्टम रूम्स इत्यादि सहित प्रमुख साइट्स के काम लगभग पूरे हो चुके हैं। डिपो और मेन लाइन के जो काम पूरे हो गए हैं। उनकी फाइलें सीएमआरएस के पोर्टल पर अपलोड की जा चुकी है। सारी फाइलों के अपलोड होने के बाद मेट्रो सीएमआरएस से निरीक्षण के लिए तारीख तय करेगा। इसके बाद सीएमआरएस की टीम भोपाल आएगी। चूंकि अक्टूबर में प्रायोरिटी कारिडोर पर मेट्रो का संचालन किया जाना है। इसके मद्देनजर 30 सितंबर तक प्रायोरिटी कारिडोर के सारे काम पूरे करने का लक्ष्य रखा है। ताकि अक्टूबर में भोपाल मेट्रो आम जनता के लिए शुरू की जा सके।

### दो बार निरीक्षण के बाद होगा तय, मेट्रो चलेगी या नहीं

इंदौर की तरह भोपाल में भी सीएमआरएस की टीम आकर दो बार निरीक्षण करेगी। जिस तरह इंदौर में पहले डिपो का निरीक्षण हुआ और उसके बाद मेन लाइन का निरीक्षण करने के लिए सीएमआरएस की टीम आई थी। ठीक उसी तरह भोपाल में सीएमआरएस की टीम पहले डिपो व ट्रेन का निरीक्षण करेगी। इसके बाद मेन लाइन के निरीक्षण का नंबर आएगा।

# प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा के आवेदन अब 6 सितंबर तक

### नए कार्यक्रम के अनुसार अब 9 अक्टूबर को आयोजित होगी परीक्षा

**भोपाल, दोहपर मेट्रो**

कर्मचारी चयन मंडल ने प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा-2025 के आवेदन की अंतिम तिथि में संशोधन किया है। जिसके अनुसार, अब उम्मीदवार 2 से 6 सितंबर 2025 तक आवेदन कर सकेंगे। यह आवेदन ऑनलाइन माध्यम से होंगे। उम्मीदवार आवेदन में 7 सितंबर तक संशोधन करा सकेंगे। इसके साथ ही परीक्षा की तिथि में भी बदलाव किया गया है। नए कार्यक्रम के अनुसार, परीक्षा अब 9 अक्टूबर 2025 को आयोजित की जाएगी। इसके पूर्व परीक्षा के लिए तिथि 10 नवंबर निर्धारित की गई थी। परीक्षा ऑनलाइन मोड में होगी। पहली पाली 10:30 से 12:30 और दूसरी 3:00 से 5:00 बजे तक रहेगी। रिपोर्टिंग समय क्रमशः 8:30 से 10:00 और 1:00 से 2:30 बजे तक तय है। उम्मीदवार अधिक जानकारी में वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं।

# स्टूडेंट्स की अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट अब यू डायस पर उपलब्ध होगी

### प्राचार्यों को उपलब्ध होगी विद्यार्थियों के लंबित बायोमेट्रिक अपडेट की जानकारी

**भोपाल, दोहपर मेट्रो**

प्रदेश में स्कूल के विद्यार्थियों के आधार कार्ड स्कूल में ही तैयार करने और अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (एमबीयू) को सुगम बनाने के लिए विद्यार्थियों के लिए आधार, अब स्कूल के द्वार अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान में अब सभी सरकारी स्कूलों के प्राचार्यों को यूडाईस प्लस पोर्टल पर अपने विद्यार्थियों के लंबित बायोमेट्रिक अपडेट की जानकारी उपलब्ध होगी। विद्यार्थियों के एमबीयू को और सुगम बनाने के लिए, यूआईडीएआई और भारत सरकार के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की तकनीकी टीमों ने यूडाईस प्लस पोर्टल के माध्यम से यह नया समाधान लागू किया है। यह अभियान वर्तमान में प्रदेश के 44 जिलों में सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है और शीघ्र ही शेष 11 जिलों में भी शुरू होगा।

# विद्यार्थियों ने लिया स्कूल को स्वच्छ, अनुशासित हरित और प्रेरणास्पद बनाने का संकल्प

**भोपाल, दोहपर मेट्रो**

प्रदेश के सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के शिक्षकों और बच्चों ने मिलकर स्कूल को स्वच्छ अनुशासित हरित तथा प्रेरणास्पद बनाने का संकल्प लिया।

राजधानी के टीटी नगर स्थित शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धर्मेंद्र शर्मा संयुक्त संचालक लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल एवं जिला परियोजना समन्वयक राम किशोर यादव की उपस्थिति में हमारा विद्यालय हमारा स्वाभिमान कार्यक्रम के संकल्प पत्र का वाचन हुआ। इसके अलावा शिवाजी नगर स्थित शासकीय सुभाष उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में हमारा विद्यालय हमारा स्वाभिमान कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भोपाल विभाग के विभाग संघचालक सोमकांत उमालकर एवं मप्र शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. क्षत्रवीर सिंह राठौर एवं प्राचार्य सुधाकर पाराशर की उपस्थिती में संकल्प पत्र का वाचन किया गया।

### महापौर ने किया विसर्जन घाट का निरीक्षण

**भोपाल।** मंगलवार को महापौर मालती राय ने शाहपुरा जाकर गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन को लेकर तैयार हुए घाट का निरीक्षण किया। उन्होंने पूरी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर आयुक्त हरेंद्र नारायण, एम आई सी सदस्य आर के सिंह बघेल, जोन अध्यक्ष बाबूलाल यादव, जोन अध्यक्ष स्नेहलता रघुवंशी, पार्षद अरविंद वर्मा, अपर आयुक्त देवेंद्र सिंह चौहान एवं नगर निगम अधिकारी गण उपस्थित रहे।

**मेट्रो एंकर** स्कूल शिक्षा मंत्री ने सांदीपनि विद्यालय भेल की वार्षिक पत्रिका का किया विमोचन

# बच्चों में श्रेष्ठ भारत की भावना को मजबूत करें

**भोपाल, दोहपर मेट्रो**

देश में राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने के लिए बच्चों में एक भारत-श्रेष्ठ भारत की भावना को मजबूत किया जाना जरूरी है। हमारी विविधता भरी सांस्कृतिक विरासत पूरी दुनिया में भारत को अलग पहचान दिलाती है। यह बात स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने भोपाल में सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गोविंदपुरा, भेल की वार्षिक पत्रिका वीथिका का विमोचन करने के दौरान कही। इस अवसर पर मंत्री सिंह ने कहा कि प्रदेश में संचालित हो रहे सांदीपनि विद्यालयों में बच्चों की बहुमुखी प्रतिभा को तराशने का कार्य बेहतर तरीके से किया जा रहा है। स्कूल शिक्षा विभाग ने इन विद्यालयों में सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया है। सांदीपनि विद्यालय में बच्चों की सुविधा के लिये निःशुल्क बस सेवा भी उपलब्ध करायी जा रही है।

**क्या है वार्षिक पत्रिका वीथिका:** विद्यालय की प्राचार्य डॉ. पूनम अवस्थी ने बताया कि वार्षिक पत्रिका वीथिका में संविधान के 75वें वर्ष के मौके पर संविधान से जुड़ी सभी आवश्यक जानकारियों का समावेश किया गया है। उन्होंने बताया कि भेल सांदीपनि विद्यालय का स्वयं का भवन लगभग 34 करोड़ रुपये की लागत से जल्द बनकर तैयार हो जायेगा। विद्यालय में के.जी. से 12वीं तक करीब 1080 बच्चे अध्ययनरत हैं। इन बच्चों को हिन्दी और इंगलिश मीडियम में अध्ययन की सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है। विद्यालय में पिछले वर्ष विभिन्न राज्यों की संस्कृति के आदान-प्रदान के लिये नागालैंड राज्य के बच्चों ने दौरा किया था। भेल विद्यालय के बच्चों ने मंत्री सिंह को ट्राइबल पेंटिंग भी भेंट की।

### दो चरणों में 195 नई ई-बसें होंगी संचालित, वर्तमान बस सेवा दयनीय

# बैठक में फैसला: राजधानी की बस सेवा अगले छह महीने और रहेगी बदहाल

**भोपाल, दोहपर मेट्रो**

राजधानी में एक समय 24 मार्गों पर 368 बसें चलती थीं, लेकिन अब केवल 4 मार्गों पर 40-60 बसें ही संचालित हो रही हैं। शहर की 25 लाख आबादी के लिए यह संख्या बहुत कम है। जहां 25 हजार यात्रियों पर केवल एक बस उपलब्ध है। कई बसें खराब पड़ी हैं।

लो-फ्लोर बस सेवा की स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि अधिकारियों ने इसे सुधारने की उम्मीद छोड़ दी है। सोमवार को हुई बैठक में पूरा ध्यान प्रधानमंत्री ई-बस सेवा पर केंद्रित रहा। बैठक में फैसला हुआ कि छह माह में इलेक्ट्रिक बसों के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जाएगा, जिसके बाद ही दो चरणों में 195 नई ई-बसें संचालित हो सकेंगी।

बैठक में प्रधानमंत्री ई-बस सेवा को शुरू करने पर जोर दिया गया। इस योजना के तहत दो चरणों में कुल 195 इलेक्ट्रिक बसें शहर में चलाई जाएंगी। हालांकि, इन्हें शुरू करने में 6 महीने का समय लगेगा। तब तक नागरिकों को मौजूदा समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। सूत्रों की माने तो अधिकारियों की मिलीभगत और लापरवाही के कारण ही बस सेवा खराब हुई है। उन्होंने बताया कि ऑपरेटर्स के साथ मिलीभगत करके बस सेवा को अधिकारियों ने बर्बाद किया है।

### पीएम मित्रा पार्क में निवेश पर 3 सितम्बर को दिल्ली में होगा इंटरैक्टिव सेशन

# टेक्सटाइल क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर सीएम उद्योगपतियों से करेंगे मंथन

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

**मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 3 सितंबर को दिल्ली में होने वाले इन्वेस्टमेंट अपॉर्च्युनिटीज इन पीएम मित्रा पार्क के इंटरैक्टिव सेशन में शामिल होंगे। इस अवसर पर केंद्रीय टेक्सटाइल मंत्री श्री गिरीराज सिंह भी मौजूद रहेंगे। इंटरैक्टिव सेशन में टेक्सटाइल सेक्टर के निवेशकों और नीति-निर्माताओं की मौजूदगी में मध्यप्रदेश में निवेश के अवसरों पर विचार-विमर्श होगा। केन्द्रीय मंत्री श्री सिंह भारत के टेक्सटाइल सेक्टर की बढ़ती वैश्विक भूमिका और पीएम मित्रा पार्क की अहमियत पर अपने विचार रखेंगे।**

मुख्यमंत्री डॉ. यादव निवेशकों के साथ वन-टू-वन मीटिंग कर राज्य में उपलब्ध अधोसंरचना, नीतिगत सहयोग और नए अवसरों की जानकारी देंगे। साथ ही टेक्सटाइल हब के रूप में पहचान बना रहे मध्यप्रदेश की विशेषताओं से निवेशकों को अवगत करायेंगे। मुख्यमंत्री द्वारा यह भी बताया जायेगा कि कैसे पीएम मित्रा पार्क प्रदेश की औद्योगिक तस्वीर को बदलने वाला साबित होगा और रोजगार के नए अवसर सृजित करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव निवेशकों और उद्योगपतियों के साथ टेक्सटाइल क्षेत्र में निवेश संबंधी प्रस्तावों और संभावनाओं पर भी संवाद करेंगे।

## क्लस्टर आधारित विकास और विशेष पैकेज का दिया जाएगा प्रेजेंटेशन

इंटरैक्टिव सेशन में वस्त्र मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी केन्द्रीय योजनाओं और टेक्सटाइल क्षेत्र में बढ़ते वैश्विक अवसरों पर जानकारी देंगे। मध्यप्रदेश के उद्योग विभाग और टेक्सटाइल विभाग के अधिकारियों द्वारा निवेशकों को मध्यप्रदेश में उपलब्ध संसाधनों, क्लस्टर आधारित विकास और विशेष पैकेज का प्रेजेंटेशन दिया जायेगा। केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय की सचिव नीलम शमी राव और वस्त्र मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव श्री रोहित कंसल भी अपने विचार साझा कर टेक्सटाइल उद्योग में नई संभावनाओं और केंद्र सरकार की नीतियों की जानकारी देंगे। मध्यप्रदेश के प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन श्री राघवेन्द्र सिंह टेक्सटाइल सेक्टर में मध्यप्रदेश की नीतिगत पहल, निवेश प्रोत्साहन योजनाओं और औद्योगिक परिदृश्य की विस्तृत जानकारी देंगे। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश में प्रस्तावित पीएम मित्रा पार्क आधुनिक टेक्सटाइल इंडस्ट्री के लिए वर्ल्ड क्लास सुविधाओं से युक्त एकीकृत हब के रूप में विकसित किया गया है। यह पार्क कपड़ा उद्योग को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के साथ-साथ बड़े पैमाने पर निवेश और रोजगार सृजन का आधार बनेगा।

**मध्य प्रदेश अग्रिम मोर्चे पर**

## जस्ट राइट्स फार चिल्ड्रेन संस्था ने 2030 तक बाल विवाह मुक्त का लक्ष्य रखा

**भोपाल।** जस्ट राइट्स फार चिल्ड्रेन संस्था ने भारत को वर्ष 2030 तक बाल विवाह मुक्त भारत बनाने का लक्ष्य तय किया है। संस्था के संस्थापक भुवन ऋभु ने सोमवार को आंकड़े प्रस्तुत करते हुए बताया कि मध्य प्रदेश इस दिशा में अग्रिम मोर्चे पर है। संस्था की रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश के 41 जिलों में अब तक 36,838 बाल विवाह रोके गए, 4,777 बच्चों को बाल तस्करी से मुक्त कराया गया, और 1200 से अधिक यौन शोषण पीड़ित बच्चों की मदद की गई। भुवन ऋभु ने कहा कि मध्य प्रदेश की सात करोड़ तीस लाख की आबादी में लगभग 40 प्रतिशत बच्चे हैं। इतनी बड़ी आबादी में बच्चों की सुरक्षा एक बड़ी चुनौती है, लेकिन राज्य ने इस दिशा में निर्णायक कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि बाल विवाह, बाल तस्करी और यौन हिंसा जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार और नागरिक समाज ने मिलकर तेजी से कार्य किया है। संस्था ने 2023 से अगस्त 2025 तक के आंकड़े प्रस्तुत किए हैं। भुवन ऋभु ने यह भी याद दिलाया कि मध्य प्रदेश देश का पहला राज्य था, जिसने बच्चियों के साथ दुष्कर्म पर मौत की सजा का प्रावधान किया था।

### लैंड पुलिंग एक्ट 2025 का किसान कर रहे विरोध

# एक तरफ बंद कमरे में नेताओं से चर्चा, उधर किसानों का हल्लाबोल

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

प्रदेश भाजपा कार्यालय में एक तरफ राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष नेताओं से वन टू वन चर्चा कर रहे थे, तो वहीं दूसरी ओर किसान संघ के कार्यकर्ता नारे लगा रहे थे। इसमें ज्यादातर किसाना उज्जैन से जुड़े हैं जो लैंड पुलिंग एक्ट 2025 का विरोध कर रहे थे। उनका कहना है कि वे किसी भी तरह सिंहस्थ में जमीन अधिग्रहण कर स्थाई निर्माण किया जाना मंजूर नहीं करेंगे। खबर है कि संतोष ने किसानों को सहानुभूति पूर्वक विचार करने का भरोसा दिलाया है।

बी.एल. संतोष ने भोपाल में सरकार और संगठन को लेकर कई मंत्रियों, विधायकों और नेताओं से बंद कमरे में मुलाकात कर फीडबैक लिया। वहीं मुख्यमंत्री मोहन यादव से मुलाकात के साथ-साथ संघ और पार्टी बैठकों में भी उन्होंने हिस्सा लिया। इसी दौरान उज्जैन-जावरा ग्रीनफील्ड हाईवे प्रोजेक्ट से नाराज करीब 50 किसान भी बीजेपी प्रदेश कार्यालय पहुंच गए और बी.एल. संतोष से मिलने की कोशिश की, लेकिन मुलाकात नहीं हो सकी।

उज्जैन-जावरा ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे प्रोजेक्ट को लेकर किसानों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। किसानों का कहना है कि वे सड़क निर्माण के विरोध में नहीं हैं, लेकिन इसके निर्माण की तकनीकी और मुआवजे को लेकर उनकी गंभीर आपत्तियां हैं।

### बंद कमरे में विधायकों और नेताओं से मिले

सेवा पखवाड़े की बैठक के बाद बीएल संतोष ने पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा से चर्चा की। इसके बाद सीधी विधायक रीति पाठक, बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा से अलग-अलग चर्चा की। बीएल संतोष ने आरएसएस और किसान संघ के पदाधिकारियों से भी मुलाकात की। सूत्र बताते हैं कि इस चर्चा के दौरान उज्जैन सिंहस्थ क्षेत्र में जमीनों के स्थायी अधिग्रहण के मुद्दे पर जानकारी ली है।

### 16 फीट ऊंचा एक्सप्रेस-वे नहीं बनाया जाए

किसान जितेन्द्र पाटीदार ने कहा, हम एक्सप्रेस-वे के निर्माण के खिलाफ नहीं हैं। लेकिन यह 16 फीट ऊंचाई पर बनाया जा रहा है, जिससे खेतों की प्राकृतिक संरचना और रोजगार पर असर पड़ेगा। हमारी मांग है कि इसे जमीन के समतल स्तर पर बनाया जाए, ताकि किसान अपनी आजीविका चला सकें।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुख्यमंत्री निवास पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सौजन्य भेंट की।

### मध्यप्रदेश में सरकार ने युवाओं के लिए खोला पिटारा

## प्रदेश में बन सकते हैं युवा सफल उद्यमी, राज्य सरकार उपलब्ध करा हरी आर्थिक मदद

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के तहत मध्य प्रदेश सरकार राज्य के युवाओं को अपना स्वयं का व्यापार शुरू करने के लिए आर्थिक मदद उपलब्ध करा रही है। इस योजना के तहत आप 10 लाख रुपये तक का लोन लेकर एक सफल बिजनेसमैन बन सकते हैं। एमपी में रोजगार के अवसर बढ़ाने के उद्देश्य और युवाओं को खुद का बिजनेस शुरू करने को प्रोत्साहित करने के लिए मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना की शुरुआत 1 अगस्त, 2014 को की गई थी। हालांकि 2017 में इसमें संशोधन भी किए गए। ये एक सरकारी योजना है, जो 50,000 से 10,00,000 तक का ऋण प्रदान करती है। योजना के तहत लाभार्थियों को धन मार्जिन, ब्याज अनुदान और प्रशिक्षण का लाभ मिलता है, और उन्हें बैंक द्वारा दिए गए ऋण को चुकाने के लिए थोड़े समय की अवधि प्रदान की जाती है। इस योजना का उद्देश्य राज्य के बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना है। साथ ही प्रदेश में लघु, मध्यम और सूक्ष्म उद्योगों को बढ़ावा देकर युवाओं को आत्मनिर्भर व रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराना है। इस योजना के जरिए उद्योग, कृषि, सेवा क्षेत्र और अन्य व्यवसायों को प्रोत्साहित करना है।

### जनजातीय विकास की योजनाओं का लाभ उठाए राज्य, केंद्र देगा पूरा सहयोग

**भोपाल।** केन्द्रीय सचिव जनजाति कार्य मंत्रालय श्री विभु नायर ने कहा कि राज्य जनजातीय विकास की केंद्रीय योजनाओं का राज्य को भरपूर लाभ ले। भारत सरकार हर स्तर पर सहयोग देने के लिए तैयार है। उन्होंने धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान, प्रधानमंत्री जनमन योजना और आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत चल रही गतिविधियों की जानकारी ली।

**पुलिस आयुक्त ने पढ़ाया पाठ**

## कई बार परिस्थितियों को बिगाड़ सकती है संवेदनाओं पर आधारित रिपोर्टिंग

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

भोपाल के पुलिस आयुक्त हरिनारायणचारी मिश्रा ने कहा कि घटनाएं कई बार जैसी दिखती हैं, वैसी नहीं होतीं। गहन पड़ताल के बाद अक्सर अलग सच सामने आता है। ऐसे में पत्रकारों को चाहिए कि वे भावनाओं के बजाय वस्तुनिष्ठ दृष्टिकोण से तथ्यों को प्रस्तुत करें, क्योंकि संवेदनाओं पर आधारित रिपोर्टिंग कई बार परिस्थितियों को बिगाड़ सकती है। मिश्रा माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में

जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित 'मीडिया और पुलिस' विषय पर मास्टर क्लास को संबोधित कर रहे थे। पुलिस आयुक्त ने कहा कि तकनीक के कारण अपराध के तौर-तरीके बदले हैं और भौगोलिक सीमाएं भी धुंधली हो गई हैं। ऐसे में सूचना के प्रवाह का संतुलन और विनियमन बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि यदि घटनाओं को तर्कसंगत दृष्टिकोण से न देखा जाए तो जांच की दिशा ही बदल सकती है। ऐसे में समाज को सही जानकारी देने और लोगों को जागरूक करने में मीडिया की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि अपराधों को ग्लैमराइज करके दिखाना समाज में गलत प्रवृत्तियों को बढ़ावा देता है। आत्महत्या की खबरों को सनसनीखेज ढंग से प्रस्तुत करने से आत्महत्या की घटनाएं बढ़ जाती हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि मीडिया रिपोर्टिंग का मूल आधार जनहित और राष्ट्रहित होना चाहिए। श्री मिश्रा ने कहा कि मीडिया की सक्रियता के कारण कई कानून बने, कई कानून कड़े किए गए और अनेक मामले सामने आए जो अन्यथा दबे रह जाते।

भोपाल। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में विराजमान भगवान श्री गणेश जी की पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों एवं कार्यकर्ताओं की सुख-समृद्धि की कामना की।

### फ्लाई ओवर की सुंदरता और गरिमा को बनाए रखें-मंत्री सिंह

## संस्कारधानी की छवि को निखारने नागरिकों ने ली अनुशासन की शपथ

**भोपाल।** लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह के नेतृत्व में फ्लाई ओवर की सुंदरता और गरिमा को बनाए रखने के लिए फ्लाई ओवर में आज एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य फ्लाई ओवर पर यातायात नियमों का पालन करने, अवांछनीय गतिविधियों को रोकने और संस्कारधानी की छवि को बनाये रखना है। इस पहल में सांसद आशीष दुबे, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक सुशील तिवारी इंदु, अभिलाष पांडे, नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, जिला ग्रामीण अध्यक्ष राजकुमार पटेल, अखिलेश जैन, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज सहित जनप्रतिनिधि व नागरिक तथा कलेक्टर दीपक सक्सेना, पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय, नगर निगम कमिश्नर श्रीमती प्रीति यादव सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

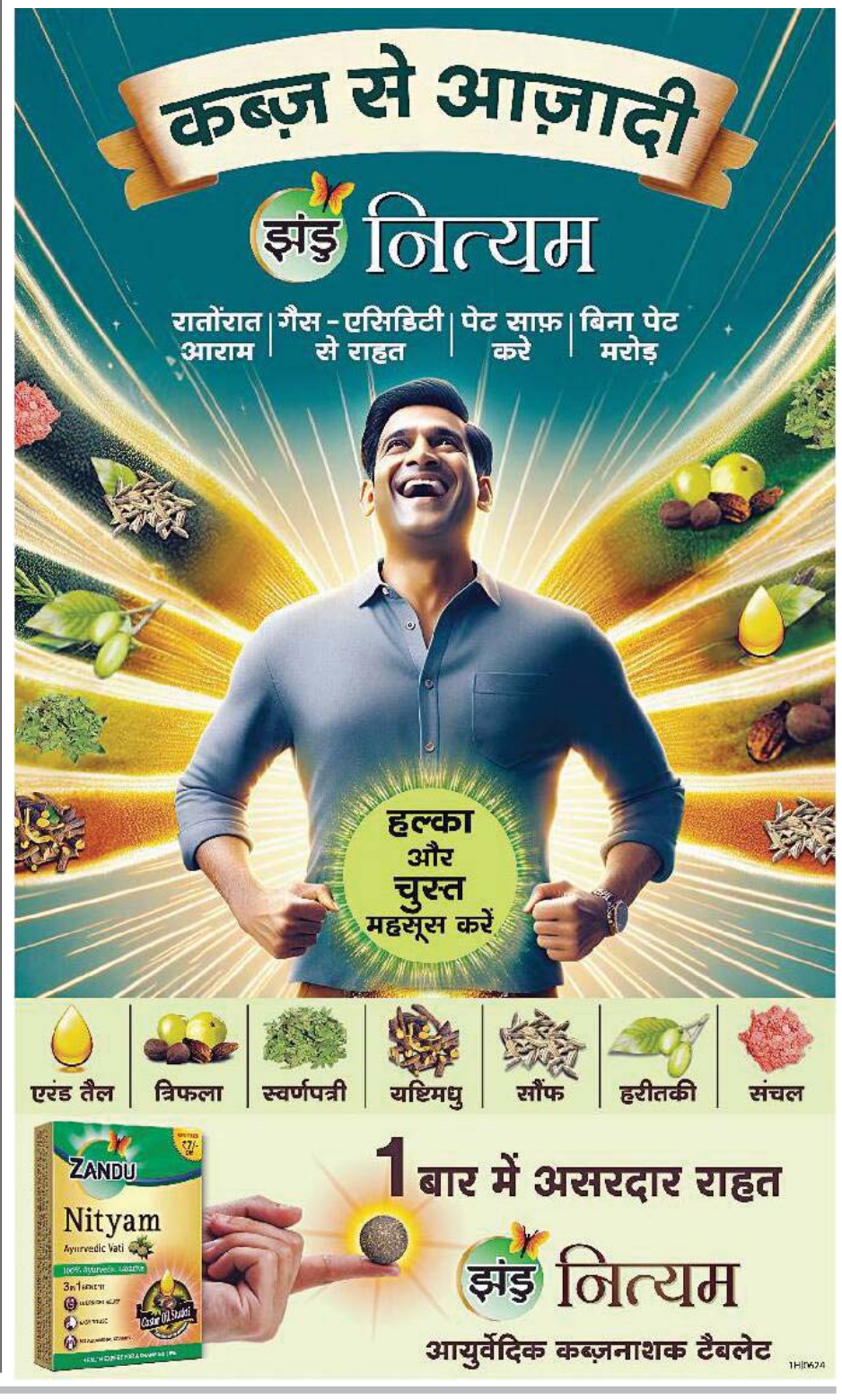


**भोपाल का गौरव**

### जबलपुर से की है इंजीनियरिंग की पढ़ाई

# एयर मार्शल संजीव घुराटिया ने संभाला पद

भोपाल, दोहपर मेट्रो

भोपाल निवासी एयर मार्शल संजीव घुराटिया, एवीएसएम, वीएसएम ने भारतीय वायुसेना मुख्यालय में एयर ऑफिसर-इन-चार्ज का कार्यभार संभाला। कार्यभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। संजीव घुराटिया का विशेष नाता भोपाल और जबलपुर से रहा है। वे वर्तमान में गार्डन रेजिडेंसी, कोलार रोड, भोपाल में निवासरत हैं। हाल ही में भोपाल यूनिवर्सिटी ने रक्षा क्षेत्र में उनकी अद्वितीय उपलब्धियों को देखते हुए उन्हें मानद डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की। उनकी स्कूली शिक्षा मॉडल हाई स्कूल, जबलपुर से हुई और इंजीनियरिंग की पढ़ाई जीईसी जबलपुर से पूरी की। इसके बाद उन्होंने बीआईटीएस पिलानी, मद्रास यूनिवर्सिटी और भोपाल यूनिवर्सिटी से उच्च शिक्षा प्राप्त की।

37 साल के शानदार करियर में एयर मार्शल घुराटिया ने भारतीय वायुसेना और संयुक्त राष्ट्र मिशन में कई अहम जिम्मेदारियां निभाईं। हाल ही में वे हेडक्वॉर्टर एमसी में सीनियर मेंटेनेंस स्टाफ ऑफिसर के पद पर तैनात थे। उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए उन्हें वर्ष 2016 में विशिष्ट सेवा पदक और वर्ष 2025 में अति विशिष्ट सेवा पदक से राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया गया। एयर मार्शल संजीव घुराटिया भारतीय वायुसेना की तकनीकी शाखा के सबसे अनुभवी अधिकारियों में से एक हैं और भोपाल जैसे शहर का नाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर रहे हैं।

# वार्ता से निकले रास्ता

अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट की यह उम्मीद कि आखिरकार अमेरिका और भारत साथ आएंगे, मौजूदा वक्त की सबसे बड़ी जरूरत है। अच्छी बात यह है कि अमेरिका के एकतरफा टैरिफ और कुछ तीखे बयानों के बावजूद बातचीत का रास्ता बंद नहीं हुआ है। वॉशिंगटन और नई दिल्ली, दोनों मिलकर इस मसले को सुलझा सकते हैं।

भड़काने वाले बयान÷ भारत पर थोपे गए ट्रंप के 50% टैरिफ को लेकर अमेरिका में साफ तौर पर दो विरोधी स्वर सुनाई पड़ रहे हैं। एक धड़ा कूटनीतिक सीमाओं के इतर जाकर बयानबाजी कर रहा है और जिसकी वजह से दोनों देशों के संबंधों में तनाव बढ़ा है। वहीं, दूसरे धड़े का मानना है कि रूस से तेल खरीदने के लिए केवल भारत को निशाना बनाना सही नहीं, जबकि सबसे बड़ा खरीदार चीन है। ऐसे माहौल में जरूरी है कि दोनों देशों के बीच शीर्ष स्तर पर संवाद जारी रहे। अच्छी बात यह है कि बेसेंट के मुताबिक, दोनों पक्ष मौजूदा हालात को लेकर चिंतित हैं और मसले को सुलझाना चाहते हैं।

आपसी सहयोग जरूरीः भारत-अमेरिका का रिश्ता केवल व्यापार तक सीमित नहीं है। हाल के बरसों में दोनों ने सुरक्षा, तकनीक, ऊर्जा समेत दूसरे क्षेत्रों में भी सहयोग बढ़ाया है। चीनी मनमानी पर नियंत्रण के लिए अमेरिका को खासतौर पर भारतीय सहयोग की जरूरत है। इसी मकसद से क्वॉड का गठन किया गया, जिसे अमेरिकी सरकार ने तवज्जो भी दी। लेकिन, ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी की वजह से क्वॉड के भविष्य पर सवाल उठने लगे हैं। वहीं, वॉशिंगटन में यह भी चिंता है कि पिछले दो दशकों में भारत-अमेरिका रिश्तों में जो प्रगति हुई थी, वह इन कुछ दिनों में बेकार हो गई।

दुनिया पर असरः भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और अमेरिका सबसे पुराना लोकतंत्र। भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और अमेरिका सबसे अमीर अर्थव्यवस्था। दोनों देशों के बीच टकराव बढ़ता है, तो असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा। अमेरिकी मांग के अनुसार, भारत अगर रूस से खरीदारी बंद भी कर देता है, तो इससे ग्लोबल ऑयल सप्लाई बाधित होगी और तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं। ÷इस पहलू को लगातार नजरअंदाज कर रहा है।

गतिरोध खत्म होः दोनों देशों के बीच पिछले एक दशक में द्विपक्षीय व्यापार लगभग दोगुना हो गया है और इसे 2030 तक 500 बिलियन डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। लेकिन यह तभी संभव है, जब मौजूदा गतिरोध खत्म हो। इसके लिए बातचीत ही रास्ता है। अड़ियल रुख अपनाने के बजाय अमेरिका को भारतीय नजरिया समझने की जरूरत है।

## सुविचार

'बुद्धत्व का आगमन दूसरे द्वारा नहीं होता, इसका आगमन स्वयं आपके अवलोकन एवं स्वयं की समझ से ही होता है।'

– जे. कृष्णमूर्ति

## निशाना

### राह नहीं आसान !

– कृष्णेन्द्र राय

मिल रहीं चुनौतियां ।
राह नहीं आसान ।।
करनी विजय हासिल तो ।
फूंको फिर से जान ।।
ठीक नहीं है सब कुछ ।
हुआ उल्टा खेल ।।
जिसने नहीं निभाया ।
कसना फिर नकेल ।।
हार और जीत का तो ।
रहता बजता गाना ।।
ली है जिम्मेदारी तो ।
पेश करो नज़राना ।।
मंथन का है विषय ।
हुई कहां पर चूक ।।
धीरे धीरे रथ क्यों ।
रहा आखिर रुक ।।

## आज का इतिहास

- 1990 - ईराक द्वारा कुवैत पर अधिकार एवं वहाँ के अमीर का सऊदी अरब पलायन।
- 1999 - चीन ने लम्बी दूरी (8000 किमी.) की सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल का परीक्षण किया।
- 2001 - पाकिस्तान से भारत से चीनी आयात को मंजूरी दी।
- 2003 - संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने लाइबेरिया में संघर्ष विराम लागू करने के लिए सेना भेजने की अनुमति दी।
- 2004 - अमेरिका की लिंडसे डेवनपोर्ट ने रूस की मिस्कीनी की हराकर सान डियागो टेनिस चैम्पियनशिप का महिला एकल ख़िताब जीत लिया। पराग्वे की राजधानी आसुनसियोन में एक सुपर बाज़ार में आग लगने से 300 लोग मरे।
- 2007 - जाफना के दक्षिणी द्वीप कियुशु में सुबह आये भयानक तूफ़ान उगासी ने व्यापक पैमाने पर क्षति पहुँचायी।
- 2008 - सार्वजनिक क्षेत्र के यूनियन बैंक ने हांगकांग में अपनी पहली शाखा खोली। सुधीर कुमार चतुर्वेदी ने पावर ग्रिड कार्पोरेशन के नये अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के रूप में अपना कार्यभार संभाला।
- 2012- लंदन ओलम्पिक 2012 में भारत ने कुल 6 पदक जीते जिसमें 2 रजत और 4 कांस्य शामिल हैं। भारत इस प्रतियोगिता में 55वें नम्बर पर रहा। पदक तालिका में अमेरिका शीर्ष पर रहा जिसने 104 पदक जीते।
- 1952 - ज्ञान चतुर्वेदी - भारतीय चिकित्सक होने के साथ-साथ जाने-माने व्यंग्यकार भी हैं।
- 1861 - प्रफुल्ल चंद्र राय - भारत के प्रसिद्ध वैज्ञानिक, जिन्हें रसायन विज्ञान का जनक माना जाता है।
- 1878 - पिंगलि वेंकय्या- भारत के राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के अभिकल्पक।
- 1877 - रविशंकर शुक्ल - मध्य प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री।

# नहीं टिकेगी पाकिस्तान की खुशी... अपने ही जाल में फंसने जा रहा पड़ोसी

■ अविनाश मोहनानी

पाकिस्तान के लिए चीन और अमेरिका के बीच संतुलन बनाना मुश्किल हो रहा है, क्योंकि दोनों देशों के हित टकरा रहे हैं। अमेरिका, पाकिस्तान को ईरान और अफगानिस्तान में अपने सामरिक लक्ष्यों के लिए इस्तेमाल करना चाहता है, जिससे चीन नाराज हो सकता है। पाकिस्तान के लिए जल्द ही अपने अडिग मित्र और सबसे बड़े हथियार सप्लायर, चीन और अमेरिका के परस्पर विरोधी सामरिक, सुरक्षा और आर्थिक हितों में संतुलन बनाना मुश्किल होने वाला है। अमेरिका ने पाकिस्तान पर कम टैरिफ (19%) लगाया है। इससे पाकिस्तान को अमेरिकी बाजारों में अपने प्रोडक्ट्स को पहुंचाने में आसानी होगी। साथ ही उसे अपनी अर्थव्यवस्था को स्थिर करने में मदद करता मिलेगी। पाकिस्तान मई में भारत के साथ हुए संक्षिप्त संघर्ष के दौरान चीनी सैन्य समर्थन का जश्न मना रहा था, अब ट्रंप प्रशासन से मिल रहे महत्व और ध्यान का आनंद ले रहा है। हालांकि, अमेरिका की तरफ से अपने कट्टर दुश्मन भारत पर लगाए गए जुर्माने वाले टैरिफ से पाकिस्तान में जो खुशी है, वह अधिक देर तक नहीं रहेगी।

**पाकिस्तान से नाराज हो सकता है चीनः** चीन और अमेरिका, दोनों ही जल्द ही एक-दूसरे पर एहसान जताने के लिए एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धी और परस्पर विरोधी मांगें करेंगे। ऐसे में उन मुद्दों पर बातचीत करना और उन्हें पूरा करना पाकिस्तान के सैन्य-नागरिक शासन के लिए मुश्किल होगा। इसके अलावा, पाकिस्तान से अमेरिका की मांगें उसे अपने पड़ोसी के साथ टकराव में डाल देंगी, जिससे चीन नाराज हो सकता है। सवाल है कि डोनाल्ड ट्रंप अचानक पाकिस्तान को एक उपेक्षित सहयोगी से एक अभूतपूर्व साझेदार क्यों बना रहे हैं। जबकि अपने पिछले कार्यकाल में उन्होंने पाकिस्तान पर अमेरिका को झूठ और धोखे के अलावा कुछ नहीं देने का आरोप लगाया था? इसका जवाब ईरान, अफगानिस्तान और चीन की सीमा से सटे पाकिस्तान की अनोखी भौगोलिक स्थिति में निहित है। ये अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के लिए इस क्षेत्र में अमेरिका के सामरिक और आर्थिक हितों की पूर्ति के लिए अभियान शुरू करने के अभूतपूर्व रास्ता खोलती है। दूसरा पड़ोसी, भारत, अमेरिका के लिए ज़्यादा चिंता का विषय नहीं है और कुछ जटिल मुद्दों, रणनीतिक और आर्थिक, दोनों पर मौजूदा तनाव अस्थायी ही रहने की संभावना है।

**पाकिस्तान से क्या चाहते हैं ट्रंप? :** ईरानी शासन को अस्थिर करने से लेकर पाकिस्तान और अफगानिस्तान में खनिज भंडारों पर नियंत्रण करने और चीन को पूरी तरह से बाहर करने के अलावा, ट्रंप की नीतियां पूरे दक्षिण एशियाई रणनीतिक परिदृश्य को नया आकार दे सकती हैं। वाशिंगटन के साथ भारत के अपने संबंधों की धारणा को चुनौती दे सकती हैं। अमेरिका का सबसे महत्वपूर्ण कदम इजरायल-अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष के दौरान पाकिस्तान के सैन्य प्रमुख की प्राइवेट लंच पर मेजबानी करना था। यह ऐसे समय था, जब पूर्व गठबंधन ईरानी धार्मिक नेतृत्व को खत्म करने की पूरी कोशिश कर रहा था। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने फील्ड मार्शल असीम मुनीर के साथ ईरान पर चर्चा की। ऐसे में, ईरान के मामले में अमेरिका पाकिस्तान से क्या मदद चाहता था? अभी तक यह सामने नहीं आया है। क्या यह 1953 में सीआईए और एमआई 6 द्वारा संयुक्त रूप से शुरू किए गए एक और ऑपरेशन अजाक्स के लिए था, जिसका उद्देश्य तत्कालीन ईरानी प्रधानमंत्री मोहम्मद मोसादेग को हटाकर उनकी जगह ईरान के तेल भंडारों पर नियंत्रण के लिए एक आज्ञाकारी सम्राट को स्थापित करना था? पाकिस्तान एक ऐसा देश है जिसका इस्तेमाल अमेरिका ने अतीत में अपने पड़ोसी अफगानिस्तान के खिलाफ ऐसे जमीनी अस्थिरकारी अभियानों के लिए किया है।

**अमेरिकी कंपनियां ब्लूचिस्तान पहुंची तो...:** क्या पाकिस्तान ईरान के खिलाफ भी ऐसा ही करने को तैयार होगा? अमेरिका-इजारायल हमले के खिलाफ रूस और चीन की तरफ से ईरान का समर्थन किए जाने के बाद, पाकिस्तान को ऐसा कोई भी कदम उठाने पर चीन के गुस्से का जोखिम उठाना पड़ेगा। इसीलिए ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन पाकिस्तान पहुंचे। उन्होंने अपनी चिंताएं व्यक्त कीं कि अगर अमेरिकी कंपनियां सीमावर्ती बलूचिस्तान में पहुंच गईं, तो ईरान की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। लेकिन इस क्षेत्र में अमेरिका और चीन के बीच असली प्रतिस्पर्धा और संभावित हितों का टकराव पाकिस्तान के बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा और अफगानिस्तान के निकटवर्ती क्षेत्रों में लिथियम और दुर्लभ मृदा खनिजों सहित खनिज संसाधनों तक पहुंच को लेकर होगा। बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में अमेरिकी उपस्थिति निश्चित रूप से इस क्षेत्र में अस्थिरता पैदा करेगी, जिसका असर ईरान, अफगानिस्तान और चीनी हितों पर पड़ेगा।

**चीन, अमेरिका के बीच मतभेदः** क्षेत्र में इस्लामी समूहों से निपटने के मुद्दे पर चीन और अमेरिका के बीच मतभेद एक और विवाद का विषय है। सिर्फ इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रांत को छोड़कर, जो दोनों देशों के हितों के लिए हानिकारक है। चीन को संदेह है कि अमेरिका पाकिस्तान में उसके हितों को निशाना बनाने के लिए बलूच अलगाववादियों और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) का इस्तेमाल करता है। हालांकि, यह भी सच है कि बलूच अलगाववादी चीन को एक नव-साम्राज्यवादी शक्ति बताते हैं जो उनके संसाधनों का दोहन करना चाहता है। इसी तरह, टीटीपी में चीनी अलगाववादी समूह, ईस्ट तुर्किस्तान इस्लामिक मूवमेंट, के तत्व मौजूद हैं, जो इस संगठन को चीनी हितों को निशाना बनाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

**साउथ एशिया में चीन की कवायदः** चीन अमेरिका को दूर रखने के लिए दक्षिण एशियाई क्षेत्र में अपने प्रभाव को अलग से मज़बूत करने की कोशिश कर रहा है। पिछले महीने काबुल में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के विदेश मंत्रियों के साथ त्रिपक्षीय बैठक में, चीनी विदेश मंत्री ने सुरक्षा तंत्र में सुधार,



कानून प्रवर्तन को मजबूत करने और सुरक्षा सहयोग सुनिश्चित करने पर जोर दिया। चीन ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान को द्विपक्षीय संबंध सुधारने और बातचीत के जरिए चिंताओं का समाधान करने के लिए भी प्रोत्साहित किया। लेकिन जल्द ही दोनों देश एक-दूसरे के गले पड़ गए। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में टीटीपी के संदिग्ध ठिकानों पर हवाई हमले किए और अफगानों को निर्वासित करना जारी रखा।

**क्या है वास्तविक स्थिति?:** हकीकत यह है कि अमेरिका से जुड़ना पाकिस्तानी सैन्य शासकों के लिए स्वाभाविक है। इसकी शुरुआत अयूब खान से हुई। इसके अलावा, अमेरिका का समर्थन एक संकर शासन के लिए बेहद जरूरी था, जिसमें घरेलू वैधता का अभाव था और जो सबसे लोकप्रिय नेता इमरान खान को लगातार नजरबंद रखे हुए था। पाकिस्तान को यह एहसास नहीं हो रहा है कि चीन ने भारत को नाराज करने की कीमत पर उसे सैन्य और रणनीतिक समर्थन दिया था, लेकिन उसे यह भी नहीं पता कि पाकिस्तानी सैन्य नेतृत्व ट्रंप की तारीफों के पुल बांध रहा है और उनके आगे नतमस्तक हो रहा है।

**–साभारः** यह लेखक के अपने विचार हैं।

पूर्व अमेरिकी NSA का बड़ा बयान

# फैमिली बिजनेस के लिए ट्रंप ने भारत को किया दरकिनार

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने भारत पर टैरिफ को लेकर ट्रंप प्रशासन पर हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि डोनाल्ड ट्रंप ने फैमिली बिजनेस के लिए भारत के साथ संबंधों को दरकिनार किया है। उन्होंने कहा है कि इसका अमेरिका से मित्र देशों पर गहरा प्रभाव पड़ा है।

बाइडन प्रशासन में अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रहे जेक सुलिवन ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया है कि ट्रंप ने पाकिस्तान के साथ अपने फैमिली बिजनेस के लिए भारत के साथ रिश्तों को दरकिनार कर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रंप ने भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत बनाने के लिए बरसों से की गई मेहनत को बर्बाद कर दिया है। सुलिवन पूर्ववर्ती बाइडन प्रशासन के पहले शीर्ष अधिकारी हैं, जिन्होंने भारत पर अमेरिकी टैरिफ की आलोचना की है। सुलिवन ने एक पॉडकास्ट में कहा, ÷दशकों से द्विपक्षीय आधार पर अमेरिका ने दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत के साथ अपने संबंध बनाने के लिए काम किया है। भारत एक ऐसा देश जिसके साथ हमें तकनीक, प्रतिभा, अर्थशास्त्र और कई अन्य मुद्दों पर एकजुट होना चाहिए और चीन से इस रणनीतिक खतरे से निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए। और हम इस मामले में काफी आगे बढ़ चुके हैं।



परिवारिक बिजनेस के लिए भारत को किया दरकिनारः उन्होंने कहा, अब मुझे लगता है कि पाकिस्तान के ट्रंप परिवार के साथ व्यापारिक सौदे करने की इच्छा के कारण, ट्रंप ने भारत के साथ संबंधों को दरकिनार कर दिया है। यह अपने आप में एक बहुत बड़ा रणनीतिक कदम है क्योंकि एक मजबूत अमेरिका-भारत संबंध हमारे हितों की पूर्ति करता है। लेकिन दुनिया के हर दूसरे देश की कल्पना कीजिए, जर्मनी, जापान, कनाडा, आप उसे देखते हैं और कहते हैं कि कल हम भी ऐसा कर सकते हैं। सुलिवन ने कहा कि भारत के खिलाफ ट्रंप प्रशासन का यह कदम उनके इस विचार को और पुष्ट करता है कि आपको अमेरिका के खिलाफ बचाव करना होगा। उन्होंने कहा, दुनिया भर के हमारे सभी मित्र और देश यह तय कर चुके हैं कि वे किसी भी रूप में अमेरिका पर भरोसा नहीं कर सकते। यह अमेरिकी लोगों के दीर्घकालिक हित में नहीं है। सुलिवन ने कहा, हमारा वचन ही हमारा बंधन होना चाहिए।

हमें अपनी बात पर खरा उतरना चाहिए। हमारे मित्रों को हम पर भरोसा करना चाहिए और यही हमारी हमेशा से ताकत रही है। और भारत के साथ अभी जो हो रहा है, उसका न केवल बहुत बड़ा प्रत्यक्ष प्रभाव है, बल्कि दुनिया भर में हमारे सभी रिश्तों और साझेदारियों पर भी इसका गहरा असर पड़ रहा है।

# मोदी के चीन दौरे से अमेरिका में बेचैनी

अंतरराष्ट्रीय राजनीति में इस समय भारत, चीन और रूस के समीकरण पर सबकी नजरें हैं। इसी बीच अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और डोनाल्ड ट्रंप के कट्टर आलोचक जॉन बोल्टन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चीन दौरे और शंघाई सहयोग संगठन (SCO) शिखर सम्मेलन में उनकी मौजूदगी पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। बोल्टन ने कहा कि मोदी का यह दौरा पश्चिमी देशों के लिए बुरी खबर है, खासकर इसलिए क्योंकि इस सम्मेलन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी मौजूद थे।

टेलीविजन इंटरव्यू में बोल्टन ने कहा, यहां बहुत सारी बुरी खबरें हैं और बहुत कम अच्छी खबरें। पश्चिम ने दशकों तक भारत को सोवियत संघ रूस की कोल्ड वॉर छाया से बाहर निकालने की कोशिश की। अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ मिलकर क्वाड जैसे सुरक्षा मंच बनाए, ताकि भारत चीन और रूस से दूरी बनाए। लेकिन अब हालात उलटे दिख रहे हैं। उनका इशारा साफ था कि मोदी का स्ष्ह्र शिखर सम्मेलन में शामिल होना और वहां पुतिन के साथ मंच साझा करना पश्चिमी रणनीति के लिए झटका है।

**ट्रंप प्रशासन पर हमलाः** जॉन बोल्टन ने इस पूरे मसले पर पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि ट्रंप प्रशासन ने दशकों से चली आ रही अमेरिकी कोशिशों को चीरकर फेंक दिया। बोल्टन बोले- ट्रंप ने भारत पर जो टैरिफ लगाए, वह एक बड़ी भूल थी। इसी दौरान अमेरिका-भारत रिश्तों में खटास बढ़ी और नतीजा यह हुआ कि भारत फिर से रूस के करीब जाता दिख रहा है और अब चीन के साथ भी सामरिक तालमेल की संभावना बढ़ रही है। इसे सुधारना नामुमकिन तो नहीं, लेकिन इसमें वर्षों लगेंगे और निकट भविष्य में इसकी शुरुआत होती नहीं दिखती।

**क्वाड और पश्चिमी चिंताः** अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और भारत के साथ मिलकर बनाए गए क्वाड को पश्चिम ने एशिया में चीन के प्रभाव को संतुलित करने के अहम मंच के रूप में देखा था। बोल्टन के मुताबिक, SCO में भारत की सक्रियता और पुतिन के साथ प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी क्वाड की रणनीतिक धार को कमज़ोर कर सकती है।

उन्होंने कहा कि पश्चिम लगातार भारत को चेताता रहा है कि चीन उसके लिए सबसे बड़ा खतरा है, लेकिन अब भारत का रूस और चीन दोनों के साथ मंच साझा करना चिंता बढ़ाने वाला है।

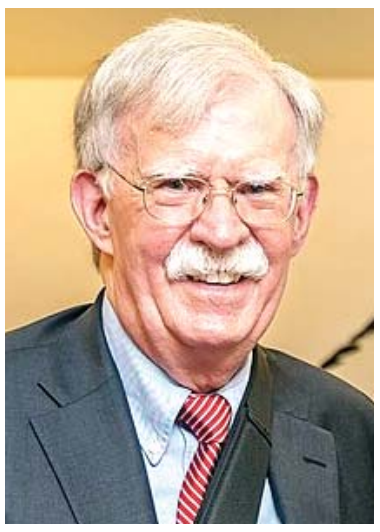

**बोल्टन और ट्रंप की तकरारः** जॉन बोल्टन का डोनाल्ड ट्रंप से रिश्ता लंबे समय से टकराव भरा रहा है. वे ट्रंप के पहले कार्यकाल में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रहे, लेकिन बाद में दोनों के बीच गहरे मतभेद सामने आए। बोल्टन ने The Room Where It Happened नाम की किताब लिखी, जिसमें ट्रंप को राष्ट्रपति बनने लायक नहीं तक कहा गया। हाल ही में बोल्टन के घर और दफ़्तर पर FBI की छापेमारी हुई थी, जो कथित गोपनीय दस्तावेज़ों से जुड़ी जांच का हिस्सा बताई जा रही है। इस पर ट्रंप ने कहा था कि वह अपने पूर्व सहयोगी के प्रशंसक नहीं हैं।



**भारत को लेकर अमेरिकी असमंजसः** विशेषज्ञों का मानना है कि भारत आज की दुनिया में स्वतंत्र और बहुध्रुवीय विदेश नीति अपना रहा है। एक तरफ वह क्वाड में अमेरिका और उसके सहयोगियों के साथ है, तो दूसरी तरफ SCO में रूस और चीन के साथ भी तालमेल बनाए हुए है। यही संतुलन भारत की कूटनीति की खासियत है, लेकिन अमेरिका के रणनीतिकारों को यह अक्सर असहज करता है।

# यूट्यूबर का केस निरस्त करने पर अड़े कांग्रेसी

सिवनी मालवा। दोपहर मेट्रो

नगर में यूट्यूबर नरेन्द्र रघुवंशी पर दर्ज की गई एफआईआर के विरोध में दर्जन भर कांग्रेस कार्यकर्ता एसडीओपी कार्यालय पहुंचे और पुलिस प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। यहां पहले से ही पुलिस प्रशासन द्वारा अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया था। कांग्रेसियों ने पुलिस अधीक्षक के नाम ज्ञापन एसडीओपी महेंद्र सिंह चौहान को सौंपा। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि नरेन्द्र रघुवंशी पर द्वेषतापूर्ण तरीके से एफआईआर दर्ज की गई है। यह कार्रवाई पूर्णतः अन्यायपूर्ण है, जिसे तत्काल निरस्त किया जाए। इस प्रकरण के चलते नगर का माहौल राजनीतिक रूप से गरमा गया है। एक ओर पुलिस प्रशासन का कहना है कि एफआईआर नियम अनुसार दर्ज की गई है, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आरोप है कि यह कार्रवाई राजनीतिक दबाव में की गई है। एसडीएम सरोज सिंह परिहार ने बताया कि नरेन्द्र रघुवंशी द्वारा आये दिन बिना किसी साक्ष्य के आरोप प्रत्यारोप किये जा रहे थे, जिसके चलते एफआईआर दर्ज कराई गई है। मामले को लेकर नगर में तरह-तरह की चर्चाएं बनी हुई हैं। एक ओर समर्थक एफआईआर को वापस लेने की मांग कर रहे हैं, वहीं प्रशासन का कहना है कि मामले की जांच नियमानुसार की जाएगी।

## एसी ने निरीक्षण कर दिए निर्देश

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरन सिंह ने नर्मदापुरम शहर से हरदा सीमा तक के दुर्घटना संभावित क्षेत्रों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने रसूलिया रोड से पंखी तिराहा होते हुए थाना देहात, डोलरिया, सिवनी मालवा और शिवपुर थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए तात्कालिक उपाय किए जाने के निर्देश थाना प्रभारी देहात निरीक्षक सौरभ पांडे, थाना प्रभारी डोलरिया उपनिरीक्षक खुमान सिंह पटेल, थाना प्रभारी सिवनी मालवा निरीक्षक राजेश कुमार दुबे एवं थाना प्रभारी शिवपुर उपनिरीक्षक विवेक यादव को मौके पर ही दिए गए।सड़क सुरक्षा को लेकर दीर्घकालिक उपायों पर चर्चा की गई और सड़क इंजीनियरिंग से संबंधित बिंदुओं को चिन्हित किया गया। सड़क पर गड्ढों की मरम्मत, रेडियम पेंटिंग के निर्देश दिए।

### दिसंबर 2024 में ईरानी समुदाय के लोगों ने इटारसी में धारदार हथियारों से किया था हमला

# मासूम अली ईरानी हत्याकांड का इनामी आरोपी जबलपुर में छिपकर बैठा था, पुलिस ने दबोचा

इटारसी। दोपहर मेट्रो

ईरानी डेरे में पिछले साल 25 दिसंबर 2024 की रात में जमकर हथियार चले थे। इस वारदात में एक व्यक्ति की मौत हुई थीं और 10 अन्य लोग घायल हुए थे। इस घटना ने शहर में दहशत फैला दी थी और कानून व्यवस्था को कटघरे में खड़ा कर दिया था। पुलिस ने इस मामले में आरोपियों की धरपकड़ को एक चुनौती के रूप में लिया था। 25 दिसंबर 2024 की रात इटारसी के ईरानी डेरा में हुए हिंसक हमले और हत्या के मामले में कुछ आरोपी पहले ही गिरफ्तार कर लिए गए थे और कुछ अब भी फरार है। करीब आठ माह से फरार चल रहे 10,000 के इनामी आरोपी अब्बास अली ईरानी को भी इटारसी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यह आरोपी जबलपुर के अधारताल क्षेत्र में फरारी काट रहा था। मुखबिर से उसकी लोकेशन पुलिस को पता चलते ही उसे धरदबोचा गया।

**यह था मामला:** यह घटना 25 दिसंबर 2024 को आधी रात के बाद करीब 3 बजे हुई थी। नर्मदापुरम, पिपरिया, काटोल (महाराष्ट्र) और मुजफ्फरपुर (बिहार) के ईरानी समुदाय के कुछ आरोपियों ने संगठित होकर इटारसी के ईरानी डेरा पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया था। इस हमले में मासूम अली ईरानी की मृत्यु हो गई थी, जबकि 10 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इस घटना के बाद प्रार्थी सैफू पिता मासूम अली ईरानी की शिकायत पर इटारसी थाने में आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए नर्मदापुरम के पुलिस अधीक्षक, डॉ. गुरकरन सिंह ने तत्काल संज्ञान लिया और थाना प्रभारी गौरव सिंह बुंदेला के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित कर आरोपियों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए।

एसडीओपी वीरेंद्र कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में गौरव सिंह बुंदेला और उनकी टीम ने लगातार दबिश दी और पहले 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। बाद में तीन और आरोपियों को पकड़ा गया। चूंकि आरोपी ईरानी समुदाय से जुड़े थे और उनके रिश्तेदार देश के अलग-अलग राज्यों में फैले हुए थे, इसलिए फरार आरोपियों को पकड़ना पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती थी। पुलिस अधीक्षक ने फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए 10,000 का नकदी इनाम घोषित किया था। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस टीम को पता चला कि इनामी आरोपी अब्बास अली ईरानी जबलपुर के आयशा नगर, आधारताल थाना क्षेत्र में छिपा हुआ है। तत्काल कार्रवाई करते हुए प्रधान आरक्षक उपेंद्र दुबे, आरक्षक राजकुमार झपाटे, और आरक्षक महेंद्र गुर्जर ने जबलपुर पहुंचकर आरोपी को बड़ी मशक्कत के बाद हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान अब्बास अली ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। फिलहाल, पुलिस इस मामले में फरार चल रहे अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है और उन्हें जल्द ही गिरफ्तार करने का दावा कर रही है। इस गिरफ्तारी में थाना प्रभारी गौरव सिंह बुंदेला के साथ-साथ पुलिस टीम के सदस्यों, सीकेएन रजक, उपेंद्र दुबे, राजकुमार झपाटे, महेंद्र गुर्जर, अंकित और राजेश की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

## बारिश से नालियों में जमे कचरे को नपा ने निकाला

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

अचानक मूसलाधार बारिश से हर क्षेत्र जलमग्न हो गया। बाजार क्षेत्र में जल भराव की समस्या से निपटने के लिए नगरपालिका द्वारा विशेष टीम को उतारा गया। जेसीबी, पोकलेन और स्वच्छता दूतों की टीमों ने तीव्रगति से स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान नाले नालियों से भारी मात्रा में कचरा और गाद निकाला गया। स्वच्छता निरीक्षक अनुराग तिवारी ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर बाजार क्षेत्र में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। चैंबर्स को हटाकर उनकी सफाई कराई गई। इस दौरा नाले नालियों से भारी मात्रा में पालिथिन, थर्माकोल तथा प्लास्टिक की वस्तुएं निकाली गई जो नाले नालियों के जल निकासी मार्ग में फंसकर जल भराव की समस्या उत्पन्न कर रही थी। तिवारी ने बताया कि सोमवार जब स्वच्छता अभियान चलाया गया तो नाले नालियों में लगी फर्सियां गिरकर फंस गई थी जिन्हें जेसीबी की मदद से निकाला गया और जलनिकासी की व्यवस्था की गई। लगातार हम बाजार क्षेत्र का निरीक्षण कर रहे हैं।

## गंजबासौदा में निजी स्कूल का तेज रफ्तार वाहन अनियंत्रित होकर पलटा, कई विद्यार्थी घायल

**प्रशासन ने घायल बच्चों को भेजा अस्पताल, चालक पर केस दर्ज**

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

कस्बा बागरोद से सेमरा जा रही एक तेज रफ्तार स्कूल वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। जिससे वाहन में सवार स्कूली बच्चे घायल हो गए। जिन्हें त्योंदा शासकीय अस्पताल पहुंचाया गया। त्योंदा रोड पर एक प्रायवेट स्कूल के बच्चों से भरा तेज रफ्तार मैजिक वाहन सड़क से नीचे खेत में पलट गया। इस हादसे में प्राइवेट स्कूल के बच्चे घायल हो गए। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से भाग निकला। जानकारी मिलने पर बच्चों के परिजन व पुलिस पहुंची।

शहर में कई स्कूल संचालक नियमों का उल्लंघन कर स्कूल वाहन चलाए जा रहे हैं। जिनमें कई वाहनों में क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाकर स्कूल और घर छोड़ते हैं। एक निजी स्कूल की छुट्टी होने के बाद बच्चों को घर छोड़ने जा रही मैजिक वाहन सेमरा इस्तमुरार के पास अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे खेत में पलट गई। जिसमें कई बच्चे घायल हो गए। वाहन में एक दर्जन से अधिक बच्चे सवार होना बताया गए हैं। सड़क से निकल रहे राहगीरों ने खेत में पलटे वाहन के अंदर भरे घायल बच्चों की आवाज को सुनकर उन्हें बाहर निकाला गया। आसपास बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ लग गई। जानकारी मिलने पर थाना प्रभारी बबीता सिंह व हैदरगढ़ थाना प्रभारी सहित पुलिस मौके पर पहुंची। हादसे में आधा दर्जन से अधिक बच्चों को चोटें आईं हैं। जिनमें घायल बच्चों की स्थिति को देखते हुए हाईवे मार्ग की एंबुलेंस से त्योंदा शासकीय अस्पताल लाया गया। जहां घायलों का उपचार किया गया। वहीं जो मामूली घायल थे स्थानीय स्तर पर उपचार कराकर घर चले गए थे। मामले की जानकारी मिलने पर प्रभारी एसडीएम संतोष बटोलिया, एसडीओपी शिखा भलावी, बीएमओ प्रमेन्द्र तिवारी घायल बच्चों का हाल जानने के लिए त्योंदा अस्पताल पहुँचे। घायल बच्चों से चर्चा की। अधिकारियों ने बच्चों के परिजनों को स्कूल वाहन चालक के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने का आश्वासन दिया है। पुलिस ने स्कूल वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

## राज्यसभा सांसद व नपाध्यक्ष ने रोपे पौधे

नर्मदापुरम। नगरपालिका द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान तथा अमृत हरित महाभियान के तहत नगर के समस्त वार्डों में पौधरोपण अभियान चलाया जा रहा है। सोमवार को राज्यसभा सांसद माया नारोलिया एवं नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव द्वारा वार्ड 13 की पार्षद वर्षा भंडारी के वार्ड में पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण किया गया। सिटी मैनेजर दिव्या मिश्रा ने बताया कि पौधरोपण कार्यक्रम में पार्षद प्रतिनिधि अतुल भंडारी, अमित शर्मा, मंडल अध्यक्ष रूपेश राजपूत, उपयंत्री रीना गुप्ता सहित अनेक वार्डवासी उपस्थित थे। कार्यक्रम में नपाध्यक्ष यादव ने नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि पौधरोपण कर हम मां धरती का श्रृंगार करते रहेंगे तो आने वाली पीढ़ी के लिए यह उपहार स्वरूप होगा। सभी को पौधरोपण अवश्य करना चाहिए।

## गौशाला में हुआ शांतिनाथ महामंडल विधान

गंजबासौदा। आचार्य विद्यासागर गौशाला में स्थित आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में सामूहिक शांतिनाथ महामंडल विधान का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष सम्मिलित हुए। मंगलाष्टक के साथ अभिषेक एवं शांतिधारा प्रारंभ हुई। प्रथम कलश से शांतिधारा करने का सौभाग्य राजेश कुमार, दीपक कुमार, शिवकुमार बरबाई वाला परिवार को प्राप्त हुआ। वहीं दूसरे कलश से शांतिधारा करने का सौभाग्य भागचंद उमेश कुमार,पुनीत कुमार जैन ऑक्सीजन परिवार को प्राप्त हुआ। शांतिधारा के उपरांत विनय पाठ के साथ संगीतमय पूजन प्रारंभ हुई वहीं पूजन के मध्य भगवान पुष्पदंत स्वामी के मोक्ष कल्याणक के अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने सामूहिक निर्वाण लाडू चढ़ाया। वहीं निर्वाण लाडू के उपरांत श्री शांतिनाथ महामंडल विधान प्रारंभ हुआ। श्री शांतिनाथ महामंडल विधान में विश्व में शांति की भावना के साथ भगवान को अर्घ समर्पित किए।

## राशन दुकानों में मिलीं अनियमितता, लगाया जुर्माना

सागर। दोपहर मेट्रो

**कांचरी, मेहर एवं खजुरिया गुरू में अनियमितताएं मिलने पर की बड़ी कार्रवाई**

तहसील अंतर्गत शासकीय उचित मूल्य दुकान कांचरी, मेहर एवं खजुरिया गुरू में अनियमितताएं पाए जाने पर प्राधिकार पत्र निरस्त करते हुए लाखों रुपए की वसूली संबंधी बड़ी कार्यवाही की गई। नरयावली अंतर्गत शासकीय उचित मूल्य दुकान कांचरी में अनियमितताएं पाए जाने के कारण आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत संस्था का प्राधिकार पत्र निरस्त किया गया तथा वसूली राशि 6,38,630 की कार्यवाही प्रारंभ की गई। इसी प्रकार तहसील सागर अंतर्गत शासकीय उचित मूल्य दुकान मेहर में अनियमितताएं पाए जाने से प्राधिकार पत्र निरस्त करते हुए 11,50,111 राशि वसूली की कार्यवाही प्रारंभ की गई तथा शासकीय उचित मूल्य दुकान खजुरिया गुरु में प्राधिकार पत्र निरस्त करते हुए 6,82,000 राशि वसूली की कार्यवाही प्रारंभ की गई।

सहायक आपूर्ति अधिकारी, सागर द्वारा प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन के आधार पर ग्राम कांचरी में संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकान कोड 1003080के विक्रेता अरविन्द सोनी, इसी प्रकार शासकीय उचित मूल्य दुकान मेहर कोड 1001100 के विक्रेता शैलनंदनी सेन पति मनोज सेन एवं शासकीय उचित मूल्य दुकान खजुरिया गुरू कोड 1001103 विक्रेता अरविंद कुमार सोनी को कार्यालयीन कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया था। विक्रेताओं द्वारा प्रस्तुत जबाव, उन पर लगाए गए आरोपों के संबंध में कोई समाधानकारक तथ्य प्रस्तुत नहीं किए गए। विक्रेता द्वारा प्रस्तुत जबाव संतोषजनक न मानते हुए गम्भीर अनियमितता पाये जाने के फलस्वरूप मप्र सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश 2015 के तहत कलेक्टर के निर्देश पर एसडीएम अदिति यादव द्वारा संस्था का प्राधिकार पत्र निरस्त किया गया।

## मुस्लिम राष्ट्रीय मंच का महासंपर्क अभियान 27 से

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच अखिल भारतीय मुस्लिम महासम्मेलन 27 सितंबर को देश की राजधानी नई दिल्ली में आयोजित करेगा। इस महासम्मेलन में देशभर से हज़ारों लोगों की भागीदारी अपेक्षित है, जिसमें सामाजिक, धार्मिक, शैक्षणिक, राजनीतिक और विभिन्न संगठनों से जुड़े प्रमुख चेहरे शामिल होंगे। इसकी तैयारी को लेकर महा संपर्क अभियान व बैठक पूरे देश में जारी है। इसी के तहत सिरोंज, कुरवाई, शमशाबाद, पठारी , पचमा, फतेहपुर में बैठकें आयोजित हुईं। वहीं गौ सेवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सह संयोजक सैयद शफाकत हुसैन कादरी ने नगर में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए कार्यकर्ताओं को समाज में एकता, अखंडता, भाईचारा, मेल मिलाप और सौहार्द का संदेश दिया।

## मसूरियादीन पासी के योगदान को किया याद

इटारसी। अखिल भारतीय पासी समाज संगठन ने रविवार को जरायम पेशा कानून मुक्ति दिवस के अवसर पर प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, संविधान सभा सदस्य एवं प्रथम सांसद मसूरियादीन पासी के योगदान को याद किया गया, जिन्होंने समाज को जरायम पेशा कानून से मुक्ति दिलाने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई थी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक डॉ. सीताशरण शर्मा शामिल हुए, जबकि अध्यक्षता परासिया विधायक सोहनलाल वाल्मीकि ने की। विशेष अतिथि के तौर पर अखिल भारतीय पासी समाज के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद बावरिया मौजूद रहे। समारोह में शिक्षा, खेल, कला, साहित्य और समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले नर्मदापुरम जिले के इटारसी, बांद्राबांध, रायपुर, मालाखेड़ी, आरी, सिवनी मालवा सहित अन्य क्षेत्र से आए प्रतिभागियों को शॉल, श्रीफल, प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा पासी समाज की ओर से पूर्व विधानसभा अध्यक्ष व विधायक डॉ. सीताशरण शर्मा का भी अभिनंदन किया गया।

**मेट्रो एंकर** — उत्साह और भक्ति के साथ बड़ी संख्या में शामिल हुए श्रद्धालु

## रिमझिम बारिश के बीच लाखा बंजारा झील किनारे गंगा आरती

सागर। दोपहर मेट्रो

लाखा बंजारा झील किनारे चकराघाट पर की जा रही गंगा आरती में बारिश होने के बावजूद बड़ी संख्या में विभिन्न स्थानों से शामिल हुए श्रद्धालुओं ने धर्म लाभ लिया।

ऐतिहासिक लाखा बंजारा झील को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने व स्वच्छता के प्रति जन-जागरुकता लाने के उद्देश्य से नगर निगम आयुक्त एवं स्मार्ट सिटी सह कार्यकारी निदेशक राजकुमार खत्री के मार्गदर्शन में लाखा बंजारा झील किनारे चकराघाट पर आयोजित की जा रही गंगा आरती में बड़ी संख्या में विभिन्न वार्डों के नागरिक महिलाएं, बच्चे, युवा, बुजुर्ग श्रद्धा, उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ शामिल होकर धर्म लाभ ले रहे हैं। स्मार्ट सिटी एवं नगर निगम द्वारा चकराघाट पर किए गये सौन्दर्यीकरण के कार्यों के कारण यह ऐतिहासिक स्थल नागरिकों के आकर्षण व श्रद्धा का केंद्र बन गया है. प्रत्येक सोमवार को चकराघाट पर आयोजित गंगा आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं।

सागर की ऐतिहासिक धरोहर लाखा बंजारा झील किनारे गंगा आरती का यह अद्भुत आयोजन नागरिकों को झील से जोड़ रहा है। समय-समय पर शहर के नागरिकजन यजमान बनकर गंगा आरती का पूजन कर रहे हैं।

### कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी पर हुए हमले का कार्यकर्ताओं ने किया विरोध

# मुख्यमंत्री का पुतला जलाने पुलिस से भिड़े कांग्रेस कार्यकर्ता, जमकर हुई झूमाझटकी

**इटारसी। दोपहर मेट्रो**

रतलाम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी पर भाजपा कार्यकताओं ने कथित तौर पर हमला किया था, उसके बाद से कांग्रेस में गुस्सा भड़क उठा है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी पर हुए हमले के बाद कांग्रेस ने शहर के जयस्तंभ चौक पर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और मुख्यमंत्री का पुतला जलाया।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं को मुख्यमंत्री का पुतला जलाने के लिए अलर्ट मोड़ में खड़े पुलिसकर्मियों से खासी झूमाझटकी तक करना पड़ी। पुलिसकर्मियों की सक्रियता के चलते कांग्रेस कार्यकर्ता आधा अधूरा ही पुतला जला सके, क्योंकि जलते पुतले को पुलिसकर्मी अपने साथ ले गए और उसकी आग बुझा दी। कांग्रेस का यह विरोध प्रदर्शन एनएसयूआई के पूर्व जिलाध्यक्ष कन्हैया गोस्वामी के नेतृत्व में आयोजित किया गया। विरोध प्रदर्शन के लिए बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और पदाधिकारी जमा हुए। पुतला दहन के मौके पर जयस्तंभ चौक पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष शिवाकांत गुड्डन पाडेय ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता गुंडागर्दी कर रहे है और शासन प्रशासन उनका साथ दे रहा है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी पर हमला उसी का परिणाम है। कांग्रेस इस कायराना हमले का विरोध करती है। प्रदेश सचिव केलु उपाध्याय ने भी अपनी तीखी प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा सरकार को अड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सक्रियता और भाजपा का असली चेहरा उजागर करने से भाजपा डरी हुई है। इस अवसर जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष बाबू चौधरी, वरिष्ठ कांग्रेसी अशोक जैन नेताजी, पूर्व नगर अध्यक्ष पंकज राठौर, संजय गोठी, पार्षदो में अमित कापरे, संजय ठाकुर, दिलीप गोस्वामी, नारायण सिंह ठाकुर, महिला कांग्रेस अध्यक्ष छाया चौरे, सेवादल अध्यक्ष करण सिंह भदोरिया, पूर्व सरपंच राकेश चंदेले, रामशंकर सोनकर, गुफरान अंसारी, सोनू बकोरिया, पिंकी शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद थे।

**महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन**

## कांग्रेस ने निकाली वोट अधिकार यात्रा व प्रदेशाध्यक्ष पर हमले का जताया विरोध

**सागर। दोपहर मेट्रो**

जिला शहर कांग्रेस ने अध्यक्ष महेश जाटव के नेतृत्व में वोट अधिकार यात्रा का आयोजन किया गया। कांग्रेस जन होटल जीवन रेन बसेरा के सामने,चौराहे पर एकत्र हुये वहां से नारे लगाते कलेक्ट्रेट तक पदयात्रा कर सभी जन पहुंचे। कलेक्ट्रेट पहुंचकर महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन का वाचन युवक कांग्रेस अध्यक्ष राहुल चौबे ने किया।साथ ही साथ प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी पर रतलाम जिले में हुये हमले के विरोध में पुलिस महानिदेशक के नाम ज्ञापन सौंपा गया । जिसका वाचन पार्षद रिचा सिंह ने किया। इस अवसर पर जिला शहर कांग्रेस अध्यक्ष महेश जाटव ने कहा कि निर्वाचन आयोग जिस तरह से स्वतंत्र संस्था होने के बाद भी भाजपा के लिये कार्य कर रहा है यह निंदनीय है हम वोट अधिकार यात्रा को चरणबद्ध चला कर वार्ड स्तर पर और बूथ स्तर पर चलाकर आमजनता के बीच ले जायेंगे। पूर्व विधायक सुनील जैन ने कहा कि राहुल गांधी की वोट अधिकार यात्रा बड़ी ऐतिहासिक रही,आम जनता जाग चुकी है,भाजपा और चुनाव आयोग की सांठ गांठ भारत की जनता के सामने उजागर हो चुकी है। पदयात्रा में जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह मोहासा, सुरेंद्र चौधरी, रेखा चौधरी,त्रिलोकी नाथ कटारे,पुरषोत्तम मुन्ना चौबे,,जगदीश यादव, प्रदीप गुप्ता, सिंटू कटारे,शैलेन्द्र की सहभागी रहे।

## 14 स्कूलों को बंद करने की तैयारी

**अशोकनगर।** जिले में 14 स्कूलों को बंद करने की तैयारी है। इन सभी स्कूलों को सीएम राइज टोरिया स्कूल में विलय करने की योजना है। जिसके विरोध में छात्र, अभिभावक और विद्यार्थियों ने कलेक्ट्रेट में प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। छात्राओं ने तरह-तरह के पोस्टर बनाकर विरोध किए। एक पोस्टर में लिखा हुआ था कि सुनो सरकार लाड़ली बिटिया 10 किमी दूर कैसे जाएगी स्कूल। प्रदर्शनकारियों ने ज्ञापन में बताया कि बंद होने वाले स्कूलों में शहर का सिर्फ एक ही कन्या माध्यमिक विद्यालय प्रमुख है। जिसमें 1200 छात्राएं पढ़ाई कर रही हैं। बाकी के स्कूलों में 5000 से अधिक छात्र पढ़ रहे हैं। शंकरपुर मगरदा के प्राथमिक स्कूल में ताला जड़ा हुआ है। यहां पर 135 छात्र पढ़ते थे। कई बच्चों ने स्कूल बंद होने के कारण पढ़ाई छोड़ दी है। गरीब और मजदूर तबके के लोगों को कहना है कि वह अपने बच्चों को घर से दूर स्थित सीएम राइज स्कूल नहीं भेज सकते। इस स्कूल से कई प्रतिष्ठित लोगों का जुड़ाव है। प्रदर्शनकारियों ने शंकरपुर मगरदा का स्कूल फिर से शुरु करने की मांग रखी। साथ ही 14 स्कूलों को बंद करने की प्रक्रिया पर रोक लगाई जाए। कन्या विद्यालय की नई इमारत बनाई जाए और वहां हो रही निर्माण कार्य पर रोक लगाई जाए।

## गद्दे के नीचे छुपाई थी घूस की राशि

**नीमच।** रिश्वतखोरों की धड़पकड़ का सिलसिला लगातार जारी है। इसी कड़ी में रिश्वतखोरी का एक और मामला सामने आया है। नीमच जिले के जीरन में लोकायुक्त ने कार्रवाई करते हुए कंप्यूटर ऑपरेटर को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा है। रिश्वत की राशि आरोपी के बेडरूम में पलंग के गद्दे के नीचे से बरामद हुए हैं। दरअसल, शिकायतकर्ता भरत कुमार भट्ट ने बताया कि उसकी मां सागर बाई का 20 मई 2024 को स्वर्गवास हो गया था। उसने मुख्यमंत्री जन कल्याण संबल योजना के तहत सहायता राशि के लिए आवेदन किया था। नगर परिषद में पदस्थ कंप्यूटर ऑपरेटर के द्वारा मृतक की दो लाख रुपए की सहायता राशि जारी करने की एवज में 20 हजार रुपए मांगे गए थे। शिकायतकर्ता भरत कुमार भट्ट के द्वारा 18 अगस्त को लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक आनंद यादव के पास शिकायत दर्ज कराई गई। सत्यापन कराने के बाद आरोपी को पहली किस्त के रुप में 7 हजार रुपए की रिश्वत लेते उसके घर पर पकड़ लिया गया है। आरोपी ने रिश्वत लिए रुपयों को बेडरूम में पलंग के गद्दे के नीचे छुपा दिए थे।

## अशोकनगर में फिर उठी पुल बनाने की मांग

**अशोकनगर।** देवगढ़ जैन तीर्थ स्थल और दशावतार विष्णु भगवान तीर्थ क्षेत्र देवगढ़ को मध्य प्रदेश से जोड़ने की कवायद एक बार फिर शुरू हो गई है। ललितपुर कलेक्टर अमनदीप डुली के सामने संबंधित समिति से मुलाकात कर देवगढ़ से लुढ़ाया या गुरैया परासरी पुल बनाने की मांग रखी। दरअसल, स्थानीय लोग एमपी की चंदेरी तहसील की ग्राम पंचायत खागल के गुरैया परसारी गांव से लुढ़ाया के बीच बेतवा नदी पर पुल बनाने की मांग सालों से उत्तर प्रदेश सरकार से की जा रही है। बैठक में प्रशासन की तरफ से पुल को बनाने और शासन को प्रस्ताव भेजने की बात की गई साथ ही पुल निर्माण से संबंधित कमेटी बनाने की बात भी हुई। इस दौरान कलेक्टर ने गूगल मैप के जरिये सारी गतिविधि के माध्यम से इसके बारे में समझा कि कैसे इस पुल के बनने से उत्तरप्रदेश और मध्यप्रदेश के आसपास के गांव सीधे तौर पर अशोकनगर, भोपाल, इंदौर, बीना, गुना व राजस्थान से जुड़ जाएंगे।

## मारपीट में घायल युवक की मौत

**सागर।** बहन को लेने उसकी ससुराल आए भाइयों के साथ झगड़े में मारपीट की गई जिसमें एक भाई की मौत हो गई . जबकि बहन के दो देवर भी घायल हुए हैं. घटना राहतगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम उमरिया सेमरा की है. मिली जानकारी द्वद्व अनुसार भारती पति चंद्रभान पटेल को उसके इंदौर निवासी भाई बसंत पटेल, देवराज पटेल लेने गांव आए थे। भारती का पति चंद्रभान सिंगरौली में काम करता है। ससुराल वालों ने उसकी गैर मौजूदगी में भारती के भाइयों के साथ मायके जाने पर आपत्ति की। बताया जा रहा है कि भारती आपे वाहन में गृहस्थी का सामान लेकर जा रही थी, जिसे भारती के देवर राधेश्याम, चंदेश पटेल एवं ससुर सीताराम पटेल ने रोका। देखते ही देखते दोनों पक्षों से मारपीट शुरू हो गई। घायलों को स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां डॉक्टर ने बसंत पटेल 26 को मृत घोषित कर दिया।

## रिश्वत लेते पकड़ा गया बाबू

**रीवा।** रिश्वतखोरी के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। इसी बीच एक और ताजा मामला रीवा जिले के रायपुर कर्चुलियान तहसील कार्यालय से सामने आया है। जहां बाबू को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा गया है। लोकायुक्त आगे की कार्रवाई कर रही है। दरअसल, फरियादी चंद्रकांत पाण्डेय (48) निवासी ग्राम सिरखिरी ने 29 अगस्त शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी जमीन के नक्शा तरमीम कराने की एवज में तहसील कार्यालय में पदस्थ बाबू रिश्वत की मांग रहा है। शिकायत की जांच व सत्यापन के बाद लोकायुक्त टीम ने ट्रैप की योजना बनाई। लोकायुक्त ने कार्रवाई करते हुए नायब तहसीलदार सर्किल पहाड़िया तहसील रायपुर कर्चुलियान में पदस्थ बाबू देवेंद्र साकेत को दो हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ लिया गया।

## गौशाला में गायों को लगेंगे टीके

**विदिशा।** कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने जिले की सभी गौशालाओं के पशुओं की बेहतर देखभाल हो साथ ही समय चक्र अनुसार टीकाकरण अभियान के रूप में आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर गुप्ता के निर्देशों के अनुपालन में जारी कार्यवाही की जानकारी देते हुए पशु चिकित्सा सेवाएं विभाग के उपसंचालक डॉ के एन शुक्ला ने बताया कि गंजबासौदा विकास खंड के ग्राम कालापाठा में स्थित श्री कृष्ण गौशाला में आज पशुपालन विभाग द्वारा लंपी स्किन डिजीज से बचाव हेतु व्यापक टीकाकरण अभियान का क्रियान्वयन किया गया। इस अभियान के तहत सहायक पशु चिकित्सा अधिकारी घटेरा ए.के. शर्मा द्वारा गौशाला में संरक्षित सभी गौवंश का नि :शुल्क टीकाकरण किया गया। शर्मा ने बताया कि लंपी रोग पशुओं में तेजी से फैलने वाला वायरल संक्रमण है। समय पर टीकाकरण ही इससे बचाव का सबसे कारगर उपाय है। इस अभियान से गौवंश सुरक्षित रहेंगे और उनके स्वास्थ्य में सुधार होगा।

## निर्देश: खाकी में बनाई रील तो होगी निलंबन की कार्रवाई

**उज्जैन।** जिले में एक युवक ने ऐसी रील बनाई की उस पर तो कार्रवाई हुई ही साथ ही पुलिस वालों पर भी रील बनाने को लेकर सख्त निर्देश हो गए। दरअसल, युवक ने पुलिस वालों को लेकर ही रील बनाई थी, इसके बाद डीजीपी कैलाश मकवाना ने पुलिस कर्मियों पर भी रील बनाने को लेकर पाबंदी लगा दी है। जानकारी के अनुसार उज्जैन जिले की नागदा तहसील में एक युवक को इंस्टाग्राम पर रील बनाना भारी पड़ गया। रील में उसने पुलिस को दिखाते हुए कहा था कि जितनी तुम्हारी सैलरी नहीं है, उतने रुपए तो हम वकील को दे देते हैं। इस वीडियो के सोशल मीडिया पर वायरल होते ही पुलिस ने युवक पर एक्शन लिया। दरअसल, यह रील 30 वर्षीय मयूर मकवाना के द्वारा बनाई गई थी। पुलिस ने एक्शन लेते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया और एमजी रोड होते हुए गर्ल्स स्कूल तक उसका जुलूस निकाला। वह रील में खुद को हीरो दिखाने के लिए ऐसी रील बना रहा था। पुलिस के मुताबकि, रील के माध्यम से आरोपी मयूर सामाजिक सौहार्द्र बिगाड़ने की कोशिश कर रहा था। उसे बीएनएस की धारा 170 के तहत गिरफ्तार कर लिया है। इधर, डीजीपी के द्वारा जबलपुर के सात किलोमीटर लंबे फ्लाइओवर में रील बनाने वालों पर कार्रवाई करते हुए 80 हजार रुपए वसूले गए।

## पावरग्रिड कैम्पस में मिला तेंदुए के शावक का शव

### 20 दिनों में 3 वन्य जीवों कि मौत, पड़ताल जारी

**इटारसी। दोपहर मेट्रो**

वन्य प्राणियों की मौत का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। पथरौटा स्थित पावर ग्रिड कैंपस में तेंदुए के एक शावक का सड़ा-गला शव मिला। अनुमान है कि शावक की मौत 4-5 दिन पहले हुई होगी। शव मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पर डीएफओ मयंक गुर्जर, एसडीओ मानसिंह मरावी, रेंजर सहित वन विभाग का अमला मौके पर पहुंचा और डॉग स्क्वॉड से घटनास्थल की जांच कराई गई। हालांकि मौत का कारण स्पष्ट नहीं है, लेकिन अधिकारियों ने प्रथम दृष्टया बिजली के करंट से मौत की आशंका जताई है।

यह घटना जिले में 20 दिनों के भीतर बाघ तेंदुए की मौत का तीसरा मामला है। इससे पहले 15 जुलाई को एसटीआर के बागड़ा बफर में तेंदुआ मृत मिला था। 12 अगस्त को मढ़ई में बाघ की लाश बरामद हुई, जिसकी मौत आपसी संघर्ष से बताई गई। इसके बाद 22 अगस्त को तवा नदी के पास एक और बाघ का शव मिला था, जिसका पंजा शिकारी काटकर ले गए थे। अब तेंदुए के शावक की मौत ने वन विभाग की सुरक्षा व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

### दहशत, पहले से था मूवमेंट

पावर ग्रिड कैंपस में तेंदुए की मूवमेंट की शिकायत पहले से मिल रही थी। पदचिन्ह मिलने पर फॉरेस्ट विभाग ने वहां कैमरे भी लगाए थे, लेकिन तेंदुआ कैमरों में कैद नहीं हुआ। डीएफओ ने भोपाल मुख्यालय को तेंदुए को रेस्क्यू करने की अनुमति के लिए पत्र भी लिखा था। सीसीएफ अशोक कुमार चौहान ने बताया कि मृत शावक मादा था और उसकी उम्र करीब 8-10 महीने रही होगी। घटनास्थल पावर ग्रिड यार्ड से 5-6 मीटर की दूरी पर है। शव का पोस्टमॉर्टम बागदेव चौकी में वाइल्ड लाइफ और पशु चिकित्सकों की टीम ने किया।

## फीस भरने महिला ने की एटीएम तोड़ने की कोशिश, गिरफ्तार

### अदालत ने महिला को जेल और नाबालिग को सुधार गृह भेजा

**जबलपुर। दोपहर मेट्रो**

प्रदेश से एक अजीबो-गरीब मामला सामने आया है जहां पढ़ाई बचाने के लिए महिला ने एक गलत रास्ता चुना जिसके कारण उसे

गिरफ्तार कर लिया गया। दरअसल जबलपुर में एक महिला को अपने भांजे की स्कूल फीस जमा करने के लिए एटीएम तोड़ने की कोशिश करने पर गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपी महिला को पकड़ा और उसके कब्जे से एक लोहे की छड़ और अन्य उपकरण जब्त किए। घटना ने शहर में सनसनी फैला दी है क्योंकि यह मामला न सिर्फ चोरी बल्कि सामाजिक और आर्थिक दबाव की तस्वीर भी सामने लाता है।

30 अगस्त की रात संजीवनी नगर इलाके के एक एटीएम में चोरी के प्रयास की शिकायत पुलिस को मिली. सूचना मिलते ही थाना प्रभारी बीडी द्विवेदी के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची. एटीएम की नकदी तिजोरी को तोड़ने की कोशिश की गई थी। जांच के दौरान सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली गई. फुटेज से आरोपी महिला की पहचान कर पुलिस ने उसे दबोच लिया। पुलिस पूछताछ में महिला ने खुलासा किया कि वह मूल रूप से मथुरा की रहने वाली है और पति के साथ वहीं रहती है. हाल ही में वह अपनी बहन के घर, संजीवनी नगर, आई थी। यहां उसे पता चला कि उसके भांजे को फीस न भरने के कारण स्कूल से निष्कासित किए जाने का खतरा है. भांजा 11वीं कक्षा का छात्र है. फीस न चुकाने की वजह से शिक्षा बाधित होने वाली थी. महिला ने तनाव में आकर चोरी का रास्ता अपनाया।

## पयुर्षण पर्व पर तारण भवन में दिख रहा उत्साह

**तेन्दूखेड़ा।** पर्वाधिराज पर्यूषण पर्व के अवसर पर श्री तारण तरण चैत्यालय में प्रतिदिन उत्साह और आनंद के साथ भक्ति से धर्ममय माहौल है,साथ ही प्रतिदिन मंदिर विधि के आयोजन का क्रम चल रहा है। जिसमें सभी समाजबंधु संयम के साथ दसलक्षण धर्म का पालन करते हुये,धार्मिक कार्यो में विशुद्ध भावों के साथ समर्पण दिखा रहे है। इस अवसर पर उत्तम शौच धर्म पर धर्मसभा को सम्बोधित करते हुये इतिहास रत्नाकर बाल ब्रम्हचारी बसन्त जी महाराज ने बताया कि- हमेशा सत्य का प्रचार करना चाहिये,क्योंकि सत्य से ही जीवन मे धर्म की महत्ता बढ़ती है।जो कभी नष्ट नही होता वह है शास्वत सत्य,जीवन मे जो कभी नष्ट नही होता वह है शास्वत सत्य।शौच का अर्थ पवित्रता उज्ज्वलता है। जो अपने आत्मा को देह से भिन्न ज्ञानोपयोग- दर्शनोपयोगमय, अखण्ड, अविनाशी,जन्म-जरा-मरण रहित, तीन लोकवर्ती समस्त पदार्थों का प्रकाशक सदाकाल अनुभव करता है।

**मेट्रो एंकर** रतलाम में रात में देहदान की इच्छा जताई, सुबह मृत्यु हुई, परिजनों ने पूरा की अंतिम इच्छा

# देहदान करने वाले दधीचि को दिया गॉड ऑफ ऑनर

**रतलाम। दोपहर मेट्रो**

प्रदेश के रतलाम जिले के जावरा में रहने वाले एक समाजसेवी द्वारा समाज सेवा का सच्चा उदाहरण पेश करते हुए रविवार रात को अपने परिवार जनों के बीच अपने निधन के बाद देह दान करने का संकल्प लिया था और अचानक उसी सुबह उन्होंने देह त्याग दिया। पिता की अंतिम इच्छा पूरी करते हुए परिवार के लोगों ने शहर की एक सामाजिक संस्था को देह दान कर दिया।

पिता के निधन के बाद उनकी अंतिम इच्छा पूरी करने के लिए मृतक कनकमल कांठेड़ के बेटों ने शहर की सामाजिक संस्था संजीवनी फाउंडेशन के संस्थापक यश जैन से संपर्क किया और पिता की आखिरी इच्छा के संबंध में बताते हुए उनका देह दान करने की इच्छा जताई। ऐसे में मुख्यमंत्री द्वारा देह दान करने वाले दधीचि को गॉड ऑफ़ ऑनर दिए जाने का फैसले के मुताबिक, समाजसेवी कनकमल कांठेड़ के निधन के बाद नगर पुलिस अधीक्षक युवराज सिंह चौहान, तहसीलदार पारस वेश, थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह जादौन की मौजूदगी में दधीचि को गॉड आफ ऑनर दिया। इसके बाद दान किया गया देह लिया गया।

### ईशांत शर्मा : एसी मैकेनिक का बेटा

# जिसने अपनी कद-काठी और रफ्तार से बड़े-बड़ों को मात दी

नई दिल्ली , एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा ने टेस्ट क्रिकेट में अपनी लंबी कद-काठी और स्विंग गेंदबाजी से कई बार भारत को जीत दिलाई। विदेशी पिचों पर प्रभावित कर चुके ईशांत 300 से अधिक टेस्ट विकेट लेने वाले सिर्फ तीसरे भारतीय तेज गेंदबाज हैं। 2 सितंबर 1988 को दिल्ली में जन्मे ईशांत शर्मा के पिता विजय शर्मा एयर कंडीशनर ठीक करने का काम करते थे। पिता सिर पर एसी रखकर उसे 4-5 मंजिल तक पहुंचाते। यह काम भी ऐसा था, जो सिर्फ गर्मियों के समय में ही होता था। इन चार-पांच महीनों की कमाई पर ही पूरे परिवार को सालभर का खर्चा चलाना पड़ता।

## आर्थिक तंगी के बीच पले-बढ़े शर्मा

आर्थिक तंगी के बीच पले-बढ़े ईशांत शर्मा ने 14 साल की उम्र में क्रिकेट खेलना शुरू किया। ईशांत और विराट कोहली साथ ही जूनियर क्रिकेट खेले थे। इस दौरान उन्हें प्रतिदिन 150 रुपये रोजाना भत्ते के तौर पर मिलते थे। इसने परिवार पर पड़ने वाले आर्थिक बोझ को कुछ हद तक कम किया। लंबी कद-काठी के चलते ईशांत को कई बार भारतीय पिचों पर भी अप्रत्याशित उछाल मिलता था। अपनी गेंदबाजी से सभी को प्रभावित करने वाले ईशांत ने 18 साल की उम्र में रणजी ट्रॉफी में डेब्यू किया। जब ईशांत सिर्फ 19 साल के थे, तो उन्हें इंटरनेशनल क्रिकेट में भी मौका मिल गया। करियर की शुरुआती स्टेज में दुबले-पतले ईशांत ने अपनी रफ्तार, उछाल और पैशन से भारतीय क्रिकेट में नैसर्गिक तेज गेंदबाजी के नए दौर की शुरुआत की थी। उन्होंने अच्छा प्रभाव छोड़ा और पैसा भी ठीक-ठाक मिलना शुरू हो गया था। बताया जाता है कि एक दिन ईशांत मॉल से 42 हजार के स्पीकर्स ले आए। उन्होंने दुकानदार को 30 हजार रुपए दिए थे। बाकी 12 हजार रुपए पिता को स्पीकर्स की डिलीवरी के वक्त देने थे। जब पिता को पता चला कि बेटे ने स्पीकर्स पर इतना मोटा खर्चा किया है, तो उन्होंने ईशांत की मां को बताया कि वह एक स्कूटर लेने की सोच रहे थे, लेकिन बेटे ने स्पीकर्स पर ही इतना खर्चा कर दिया। स्पष्ट था कि भले ही अब ईशांत अच्छी कमाई करने लगे थे, लेकिन पिता को अब भी एक-एक पैसे की कद्र थी।

## 2008 में बने थे नंबर वन गेंदबाज

ऑस्ट्रेलियाई टीम साल 2008 में भारत के दौरे पर चार मुकाबलों की टेस्ट सीरीज खेलने आई थी। ईशांत शर्मा ने सभी मुकाबले खेले। वह सीरीज में सर्वाधिक विकेट लेने वाले संयुक्त रूप से नंबर-1 गेंदबाज रहे। ईशांत ने 27.07 की औसत के साथ 15 विकेट हासिल किए। इतने ही विकेट हरभजन सिंह ने भी लिए। जनवरी 2008 में पर्थ में खेले गए भारत-ऑस्ट्रेलिया के मुकाबले को शायद ही कोई भूल सकता है, जिसमें दूसरी पारी के दौरान ईशांत ने नौ ओवरों का शानदार स्पेल डाला था। अपनी स्टीक लेंथ और तेज गति से ईशांत ने रिकी पोंटिंग को बहुत तंग किया था। अंत में ईशांत ने ही पोंटिंग को आउट किया।

### एशिया कप 2025 : बाबर-रिजवान टीम से आउट

# पाकिस्तान के नए सितारों से होगी सूर्या के शेरों की टक्कर

**सलमान अली के नेतृत्व में पाक टीम एशिया कप 2025 में भाग लेने जा रही है**

नई दिल्ली , एजेंसी

**भारतीय टीम ने हालिया वर्षों में मल्टी-नेशन्स टूर्नामेंटस में पाकिस्तान के खिलाफ दबदबा बनाए रखा है। लेकिन एशिया कप 2025 से पहले पाकिस्तान क्रिकेट में बड़ा बदलाव हुआ है। बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को पूरी तरह टी20 सेटअप से बाहर कर दिया गया है और टीम मैनेजमेंट ने नए खिलाड़ियों पर भरोसा जताया है।**

सलमान अली आगा को कप्तान बनाया गया है, जिनके नेतृत्व में पाकिस्तानी टीम एशिया कप 2025 में भाग लेने जा रही है। यह टूर्नामेंट टी20 वर्ल्ड कप 2026 की तैयारियों के लिहाज से पाकिस्तानी टीम के लिए अहम होगा। दूसरी ओर, सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम अब भी फेवरेट मानी जा रही है, लेकिन उसे नए चेहरों से सावधान रहना होगा।

**कौन हैं पाकिस्तान के नए बैटिंग सितारे?-**

हसन नवाज- 23 वर्षीय बल्लेबाज ने इस साल की शुरुआत में अपना टी20 अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था और पाकिस्तान ने उन पर बड़ा भरोसा जताया है। हालांकि उनके करियर की शुरुआत बहुत खराब अंदाज में हुई क्योंकि वह पहले दो मैचों में शून्य पर आउट हो गए। लेकिन इसके बाद उन्होंने ज्यादा समय नहीं लिया और तीसरे ही टी20 इंटरनेशनल में शतक जड़कर जोरदार वापसी की। पाकिस्तानी टीम ने अब तक उनके आक्रामक बैटिंग अंदाज का पूरा समर्थन किया है। अपने करियर में हसन ने 16 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं।

**सैम अयूब-** बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को पाकिस्तान क्रिकेट का अगला बड़ा सितारा माना जा रहा है। उन्होंने अब तक 38 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं और 788 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 138।73 रहा है।

साथ ही वह पार्ट-टाइम स्पिन गेंदबाजी के विकल्प भी हैं।

**मोहम्मद हारिस-** दाएं हाथ के इस विकेटकीपर बल्लेबाज को टी20 इंटरनेशनल में लगातार मौके मिल रहे हैं क्योंकि पाकिस्तान ने रिजवान और बाबर के स्थान पर नए विकल्प तलाशने शुरू किए हैं। उन्होंने जून में बांग्लादेश के खिलाफ शतक लगाया था, लेकिन इसके बाद अपनी फॉर्म के साथ संघर्ष कर रहे हैं। अब एशिया कप उनके लिए खुद को साबित करने और टीम में जगह पक्की करने का अहम मंच साबित हो सकता है।

### गेंदबाजी में कौन बन सकते हैं भारत के लिए चुनौती?

सुफियान मुकीम- बाएं हाथ का ये स्पिनर पाकिस्तान की गेंदबाजी को एक अलग ही दिशा देता है। हालांकि, पिछले कुछ समय में सुफियान को लगातार मौके नहीं मिले हैं, लेकिन भारतीय बल्लेबाजों के अनजान स्पिनरों के खिलाफ पुरानी परेशानियों को देखते हुए सुफियान मुकीम दुबई में पाकिस्तान की ओर से सरप्राइज पैकेज साबित हो सकते हैं।

अबरार अहमद- दाएं हाथ के इस स्पिनर ने इस साल की शुरुआत में हुई चैम्पियंस ट्रॉफी में अपनी छाप छोड़ी। तब उन्होंने शुभमन गिल को आउट कर आक्रामक अंदाज में जश्न मनाया था। हालांकि उनके उस सेलिब्रेशन की काफी आलोचना हुई थी। अब जब दोनों टीमें एक बार फिर हाई-वोल्टेज मुकाबले में आमने-सामने होंगी, तो गिल के खिलाफ उनका रीमैच सबकी नजरें खींचेगा।

### महिला वर्ल्ड कप के लिए प्राइज मनी में बंपर इजाफा...

# विजेता और उपविजेता को को मिलेंगे करोड़ों, बाकी टीमें भी होंगी मालामाल

नई दिल्ली , एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सोमवार को विमेंस वर्ल्ड कप की प्राइज मनी का ऐलान कर दिया है। इस टूर्नामेंट के लिए कुल प्राइज मनी 13.88 मिलियन डॉलर (करीब 122 करोड़ रुपये) तय की गई, जो पिछले संस्करण से करीब 297 प्रतिशत अधिक है। न्यूजीलैंड में साल 2022 में आयोजित वर्ल्ड कप के पिछले संस्करण में 3.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब 30 करोड़ रुपये) की प्राइज मनी थी। कुल पुरस्कार राशि दो साल पहले भारत में आयोजित आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप से भी अधिक है। उस समय यह राशि 10 मिलियन डॉलर (लगभग 88 करोड़ रुपये) थी। विमेंस वनडे वर्ल्ड कप 2025 की चैंपियन टीम को 4.48 मिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब 39 करोड़ रुपये) मिलेंगे। यह 2022 की विजेता ऑस्ट्रेलियाई टीम को जीतने पर मिलने वाले नकद पुरस्कार से 239 प्रतिशत अधिक है। विमेंस वनडे वर्ल्ड कप 2025 की उपविजेता टीम को 2.24 मिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब 19 करोड़ रुपये) मिलेंगे। यह तीन साल पहले इंग्लैंड को मिली राशि से 273 प्रतिशत अधिक है।

**सेमी फाइनल हारने वाली टीमें भी होंगी मालामाल**

दोनों सेमीफाइन हारने वाली टीमों को 1.12 मिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब 9.8 करोड़ रुपये) मिलेंगे। पिछले संस्करण में तीसरे और चैथे स्थान पर रहने वाली टीमों को 3,00,000 अमेरिकी डॉलर (करीब 2.64 करोड़ रुपये) मिले थे। प्रत्येक ग्रुप-स्टेज प्रतिभागी को 2,50,000 अमेरिकी डॉलर (करीब 2.20 करोड़ रुपये) दिए जाएंगे, जबकि प्रत्येक ग्रुप-स्टेज विजेता टीम को 34,314 अमेरिकी डॉलर (करीब 30.28 लाख रुपये) मिलेंगे।

**पांचवें और छठे स्थान पर रहने वाली टीमों को मिलेंगे 6.17 करोड़**

पांचवें और छठे स्थान पर रहने वाली टीमों को 7,00,000 अमेरिकी डॉलर (करीब 6.17 करोड़ रुपये) मिलेंगे, जबकि सातवें और आठवें स्थान पर रहने वाली टीमों को 2,80,000 अमेरिकी डॉलर (करीब 2.47 करोड़ रुपये) दिए जाएंगे। यह टूर्नामेंट 30 सितंबर से 2 नवंबर के बीच भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। भारतीय महिला टीम अपने अभियान की शुरुआत 30 सितंबर से करेगी। भारत का पहला मैच गुवाहाटी में श्रीलंका के खिलाफ होगा।

### 18 साल पहले जो हुआ...

# ललित मोदी पर भड़के हरभजन सिंह, थप्पड़कांड का वीडियो किया था लीक

नई दिल्ली , एजेंसी

दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने इंडियन प्रीमियर लीग के पूर्व कमिश्नर ललित मोदी पर निशाना साधा है। ललित मोदी ने हाल ही में आईपीएल 2008 के थप्पड़कांड का वीडियो सार्वजनिक कर दिया था। यह वही घटना थी, जिसमें हरभजन ने श्रीसंत को थप्पड़ मार दिया था। वो घटना मोहाली में किंग्स इलेवन पंजाब और मुंबई इंडियंस के बीच हुए मैच के बाद हुई थी। तब हरभजन मुंबई इंडियंस और श्रीसंत किंग्स इलेवन पंजाब का हिस्सा थे।

उस समय इस विवाद ने क्रिकेट जगत में सनसनी मचा दी थी और हरभजन सिंह को पूरे सीजन से बैन कर दिया गया था। हालांकि तब इस घटना को ब्रॉडकास्टर ने लाइव प्रसारण में नहीं दिखाया था। जब यह घटना हुई, उस दौरान विज्ञापन ब्रेक चल रहा था। जब दोबारा लाइव कवरेज शुरू हुआ तो श्रीसंत रोते हुए दिखाई दिए थे। अब, इतने सालों बाद जब अनदेखा वीडियो ललित मोदी ने जारी किया तो हरभजन आगबूबला हो गए। हरभजन सिंह ने इंस्टेंट बॉलीवुड से बातचीत में कहा, जिस तरह वो वीडियो लीक हुआ, वो सरासर गलत है। ऐसा नहीं होना चाहिए था। इसके पीछे उनका (ललित मोदी) कोई स्वार्थ रहा होगा। 18 साल पहले जो हुआ, उसे लोग भूल चुके थे। अब इसे फिर से याद दिलाया जा रहा है। हरभजन सिंह ने माना कि यह उनकी गलती थी और वह इस घटना को लेकर शर्मिंदा हैं।

**मनोरंजन** | **बॉलीवुड का कोना**

# शाहरुख-रानी मुखर्जी ने बांटी खुशी, किंग खान बोले- *अधूरी ख्वाहिश हुई पूरी*

अभिनेता शाहरुख खान और रानी मुखर्जी को इस साल घोषित किए गए नेशनल फिल्म अवॉर्ड में बेस्ट एक्टर और एक्ट्रेस का पुरस्कार मिला था। सोमवार को दोनों ने मिलकर इसका जश्न मनाया।

इसका एक वीडियो शाहरुख खान ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इस वीडियो में दोनों को साथ देख आपको 90 के दशक की याद आ जाएगी जब दोनों साथ काम किया करते थे। रानी और शाहरुख ने चलते-चलते, कुछ-कुछ होता है, वीर जारा और कभी अलविदा ना कहना जैसी फिल्मों में साथ काम किया है। राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित दोनों कलाकारों ने शाहरुख के बेटे आर्यन खान की आगामी डेब्यू सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड के मशहूर गाने तू पहली तू आखिरी पर एक शानदार रील बनाई है। वीडियो के अंत में शाहरुख और रानी मुखर्जी ने रोमांटिक पोज भी दिया है। इसमें गाने की स्टारकास्ट की झलक भी दिखती है। इसे शेयर करते हुए शाहरुख खान ने लिखा, राष्ट्रीय पुरस्कार पाने की हम दोनों की अधूरी ख्वाहिश पूरी हो गई। बधाई हो रानी, ??आप सचमुच में एक रानी हैं, मैं हमेशा आपको प्यार करता रहूंगा। आपको बता दें कि इस साल 1 अगस्त को 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों का ऐलान हुआ था। इनमें शाहरुख को फिल्म जवान के लिए बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड मिला था।

## मेट्रो बाजार

# ट्रंप टैरिफ का पीतल कारोबार पर नहीं दिखेगा ज्यादा असर

**जामनगर।** अमेरिकी टैरिफ से भारत में पीतल कारोबार पर ज्यादा असर नहीं होगा, क्योंकि घरेलू बाजार में पर्याप्त अवसर मौजूद है। यह जानकारी कारोबारियों की ओर से सोमवार को दी गई। पीतल कारोबारी, लाखा भाई कैसवाला ने समाचार एजेंसी आईएएनएस को बताया कि अमेरिका की कुल पीतल निर्यात में हिस्सेदारी 8-9 प्रतिशत की है। ऐसे में यूएस द्वारा टैरिफ लगाने से भारतीय निर्यातकों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता पर असर जरूर होगा, लेकिन इसका पूरी पीतल इंडस्ट्री पर कुछ खास असर नहीं होगा। उन्होंने आगे कहा कि हर फैक्ट्री में एक साथ पीतल के कई प्रोडक्ट्स का उत्पादन किया जाता है और कई देशों को निर्यात किया जाता है। इस कारण ऐसा माहौल नहीं है कि अमेरिकी टैरिफ से भारत की इंडस्ट्री बर्बाद हो जाएगी। कैसवाला ने बताया कि टैरिफ के असर को कम करने के लिए सरकार को कोरोना की तरह कोई राहत पैकेज देना चाहिए। साथ ही इंडस्ट्री के लोन में ब्याज आदि को कम करने के लिए कोई योजना लानी चाहिए। एक अन्य कारोबारी प्रकाश कटारमल ने कहा कि टैरिफ से पहले अमेरिका में भारत के पीतल पर 9 प्रतिशत तक की ड्यूटी लगती थी, लेकिन अब यह बढ़कर 59 प्रतिशत हो गई है। इससे देश की प्रतिस्पर्धा क्षमता पर भी असर होगा, क्योंकि वियतनाम और ताइवान जैसे देशों पर 18-25 प्रतिशत का टैरिफ लग रहा है। हमारी लागत इन देशों से कम है, लेकिन टैरिफ के कारण अमेरिका में हमारी चीजें महंगाई हो गई हैं।

**अभिनेत्री और भाजपा नेता हेमा मालिनी ने मुंबई के अंधेरी पश्चिम में स्थित अपने दो अपार्टमेंट 12.50 करोड़ रुपये में बेच दिए हैं। इसके साथ ही, उन्होंने 75 लाख रुपये की एक नई लग्जरी कार भी खरीदी है, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।**

# हेमा ने दो अपार्टमेंट बेच खरीदी 75 लाख की लग्जरी कार, अरबों की हैं मालकिन

एक्ट्रेस और भाजपा नेता हेमा मालिनी ने मुंबई के अंधेरी पश्चिम स्थित ओशिवारा स्थित अपने दो अपार्टमेंट कुल 12.50 करोड़ रुपये में बेच दिए हैं। स्क्वायर याड्र्स के मुताबिक, इसका रजिस्ट्रेशन अगस्त महीने में हुआ था। दोनों प्रॉपर्टीज ओबेरॉय स्प्रिंग्स में स्थित हैं और काफी बड़े एरिया में फली हुई है। इसके अलावा, एक्ट्रेस ने एक लग्जरी कार भी खरीदी है, जिसकी कीमत चौंकाने वाली है।

हेमा मालिनी ने जो अपार्टमेंट बेचा है, 847 वर्ग फुट और और 1,017 वर्ग फुट में फैला हुआ था और उसकी कीमत 6.25 करोड़ रुपये थी। इस डील में दोनों अपार्टमेंट्स के साथ एक-एक कार पार्किंग की जगह भी शामिल है। डॉक्यूमेंट्स के मुताबिक, इस लेनदेन के दौर31.25 लाख रुपये की स्टाम्प ड्यूटी औ 30,000 रुपये का रजिस्ट्रेशन फीस दिया गया है।

**हेमा मालिनी ने खरीदी नई कार**

इसे बेचने के बाद हेमा मालिनी ने 75 लाख रुपये की लग्जरी कार भी खरीदी है। उन्होंने कार की पूजा की और उसका वीडियो इंटरनेट पर वायरल है। उन्होंने ड्राइवर सीट पर बैठकर पोज भी दिया है। गणेशोत्सव के पावन अवसर पर उन्होंने नया मेहमान अपने परिवार में शामिल किया है। विरल भयानी के इंस्टाग्राम पर आए वीडियो में बताया गया है कि एक्ट्रेस ने अब अपनी लग्जरी कारों के कलेक्शन में एमजी एम9 को शामिल किया है। हेमा मालिनी की नेट वर्थ की बात करें तो 2024 में हुए लोकसभा चुनाव के दौरान उन्होंने जो हलफनामा जमा किया था, जिसके मुताबिक, उनके पास कुल संपत्ति 271,01,79,130 है। एक्ट्रेस के पास पहले 61 लाख रुपये की गाड़ियां थीं।

# भारत-चीन के साथ आने से 280 करोड़ लोगों के जीवन स्तर में सुधार होगा

**नई दिल्ली।** एससीओ समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाग लेने से भारत-चीन के संबंधों में नई जान आई है और इससे दोनों देशों के 280 करोड़ लोगों के जीवन स्तर में सुधार आएगा। साथ ही ब्रिक्स देशों के बीच स्थानीय मुद्राओं में व्यापार पर फोकस बढ़ेगा। यह बयान अर्थशास्त्रियों की ओर से सोमवार को दिया गया। भारतीय कारोबारी, एचएस पुरी ने कहा कि इस एससीओ समिट में भारत और चीन का ध्यान सुरक्षा से हटकर आपसी आर्थिक विकास पर गया है। इससे दोनों देशों में मौजूद 280 करोड़ लोगों के जीवन स्तर में व्यापक बदलाव आएगा और यह दुनिया के लिए भी अच्छा है।

अर्थशास्त्री मिताली निकोरे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शंघाई कॉर्पोरेशन ऑर्गेनाइजेशन (एसईओ) में भाग लिया। इस समिट में फोकस किया गया कि कैसे डॉलर से अलग स्थानीय मुद्राओं में व्यापार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका की सबसे बड़ी टेंशन है कि भारत, रूस और चीन ही नहीं दुनिया के कई बड़े देश डॉलर के बिना स्थानीय मुद्राओं में व्यापार करने पर काम कर रहे हैं। अर्थशास्त्री योग्रेंद कपूर ने कहा कि भारत, चीन और रूस का एक साथ आना काफी महत्वपूर्ण है। पीपीपी संदर्भ में ब्रिक्स देशों की जीडीपी अमेरिका की जीडीपी से 50 प्रतिशत ज्यादा है, इससे डॉलर और अमेरिका निश्चित असर होगा। उन्होंने आगे कहा कि भारत, चीन और रूस के बीच बातचीत में स्थानीय करेंसी पर भी फोकस किया गया है। इससे डॉलर पर निर्भरता में कमी आएगी। ब्रिक्स देश इसे लेकर पांच वर्षों से काम कर रहे हैं।

# त्योहारों पर मिलेगी स्पेशल ट्रेन की सुविधा

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मध्यप्रदेश के यात्रियों के लिए बड़ी खुश खबरी है। प्रदेश से गुजरने वाली 9 ट्रेनें दिसंबर तक चलेंगी। जिससे नवरात्रि, दशहरा और दीपावली तक सुविधा मिलेंगी। ये सभी ट्रेनें पश्चिमी और मध्य रेलवे के मुख्य स्टेशनों पर ठहरेगी। इनमें वलसाड-दानापुर स्पेशल (09025/09026) ट्रेन 29 और 30 दिसंबर तक चलेगी। उधना-जयनगर स्पेशल (09031/09032) ट्रेन की सेवा 28 और 29 दिसंबर तक बढ़ा दी गई है। उधना-धनबाद स्पेशल (09039/09040)ट्रेन अब 26 और 28 दिसंबर तक उपलब्ध रहेगी। उधना-पटना स्पेशल (09045/09046) ट्रेन 26 और 27 दिसंबर तक चलेगी। डॉ. अंबेडकर (महू) नगर-पटना स्पेशल (09343/09344)की सेवा 25 और 26 दिसंबर तक बढ़ा दी गई है। उधना-सूबेदारगंज स्पेशल (04156/04155)ट्रेन 30 और 29 दिसंबर तक चलेगी। बांद्रा टर्मिनस-बढ़नी स्पेशल (09043/09044)ट्रेन 28 और 29 दिसंबर तक अपनी सेवाएं देगी। उधना-सूबेदारगंज स्पेशल (09117/09118)ट्रेन की सेवा 26 और 27 दिसंबर तक बढ़ा दी गई है। बांद्रा टर्मिनस-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी सुपरफास्ट स्पेशल (02200/02199) ट्रेन 25 और 27 दिसंबर तक बढ़ा दी गई है। बांद्रा टर्मिनस-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी सुपरफास्ट स्पेशल (02200/02199) ट्रेन 25 और 27 दिसंबर तक चलेगी।

# शराब पीकर रिक्शा चला रहा था चालक, गिरफ्तार

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

हबीबगंज थानांतर्गत बिट्टन मार्केट स्थित पेट्रोल पंप के पास एक तेज रफ्तार इलेक्ट्रिक रिक्शा पलट गया, जिससे उसमें सवार दो स्कूली छात्राओं को गंभीर चोट आई है। एक छात्रा को इलाज कराने के बाद छुट्टी दे दी गई है, जबकि दूसरे को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने रिक्शा चालक को गिरफ्तार कर मेडिकल कराया तो पता चला कि वह शराब के नशे में था। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार श्याम नगर मल्टी हबीबगंज में रहने वाली दसवीं कक्षा की छात्रा सोमवार को पेपर देने स्कूल गई थी। दोपहर करीब डेढ़ बजे वह अपनी सहेली के साथ पेपर देकर घर लौट रही थी। सात नंबर बस स्टाप से वह एक इलेक्ट्रिक रिक्शे में सवार हुई। रिक्शा चलते ही छात्राओं को लगा कि चालक नशे की हालत में है तो उन्होंने उससे रिक्शा रोकने का बोला, लेकिन चालक ने छात्राओं की बात को अनसुना कर दिया। उसके बाद वह तेज रफ्तार में रिक्शे के दौड़ाने लगा। कुछ ही देर बाद रिक्शा बिट्टन मार्केट स्थित पेट्रोल पंप के सामने पहुंचा और अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे दोनों छात्राओं को गंभीर चोट आई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे परिजनों ने छात्राओं को इलाज के लिए जयप्रकाश अस्पताल पहुंचाया, जहां से एक छात्रा को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई, जबकि दूसरी छात्रा को अन्य अस्पताल ले जाया गया। इधर रिक्शा पलटाने वाले चालक पर्वत सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। मेडिकल के दौरान पता चला कि वह शराब के नशे में था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एक्सीडेंट समेत विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है।

**इलेक्ट्रिक रिक्शा पलटने से स्कूली छात्राएं गंभीर रूप से घायल**

# स्कूटर सवार युवती को कार ने मारी टक्कर

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

गौतम नगर इलाके में एक तेज रफ्तार कार ने स्कूटर सवार युवती को टक्कर मारकर घायल कर दिया। जानकारी के अनुसार हाउसिंग बोर्ड कालोनी निशातपुरा में रहने वाली सोनम धानक (25) चौक बाजार स्थित एक कपड़े की दुकान पर काम करती हैं। सोमवार दोपहर को वह अपनी स्कूटर से जेपी नगर होकर दुकान पर जा रही थी। वह जैसे ही यूनियन कार्बाइड गेट के पास पहुंची, वैसे ही पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार के चालक ने उनकी स्कूटर को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही सोनम स्कूटर समेत सड़क पर गिरकर घायल हो गई। पुलिस ने कार चालक के खिलाफ एक्सीडेंट का केस दर्ज कर लिया है।

### गंभीर घायल युवती का चल रहा इलाज, कोलार इलाके की घटना

# जमानत पर बाहर आने के बाद प्रेमी ने युवती पर किया चाकू से हमला

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

**कोलार इलाके में देर रात एक युवती पर उसके प्रेमी ने चाकू से जानलेवा हमला कर दिया और घायल अवस्था में छोड़कर भाग निकला। गंभीर रूप से घायल युवती को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपी के खिलाफ युवती ने बैरसिया थाने में छेड़छाड़ का मामला दर्ज करवाया था। इस मामले में वह कुछ दिनों पहले ही जेल से जमानत पर छूटकर बाहर आया था।**

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। थाना प्रभारी संजय सोनी ने बताया कि 22 वर्षीय युवती मूलत: बैरसिया की रहने वाली है। फिलहाल वह सुभाष नगर इलाके में रहती है और पढ़ाई कर रही है। कजलीखेड़ा कोलार रोड निवासी सोनू सेन बैरसिया में अपनी बहनोई के पास रहता था और सैलून की दुकान पर काम करता था। बैरसिया में रहने के दौरान ही सोनू की युवती से जान-पहचान हुई थी। उसके बाद दोनों एक-दूसरे से प्रेम करने लगे थे। कुछ समय पहले

किसी कारण से उनके बीच विवाद हो गया था, जिसके चलते युवती ने बैरसिया थाने में सोनू के खिलाफ केस दर्ज करवा दिया था। पुलिस ने इस मामले में सोनू को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। कुछ दिनों पहले सोनू जमानत पर जेल से बाहर आया। सोमवार को वह युवती को बातचीत करने के बहाने कोलार रोड कजलीखेड़ी स्थित क्यूरिट हाईट्स के पास लेकर पहुंचा। रात करीब साढ़े आठ बजे दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया तो सोनू ने युवती पर चाकू से प्राणघातक हमला कर दिया। चाकू लगने से युवती गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ी तो वह उसे वहीं छोड़कर भाग निकला। घायल युवती को इलाज के लिए कोलार रोड स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने पीड़िता की रिपोर्ट पर आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। आटो से उतरी युवती से युवक ने की मारपीट भोपाल। निशातपुरा इलाके में आटो से उतरी एक युवती के साथ युवक ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट कर दी। जानकारी के अनुसार पीपल चौराहा निशातपुरा निवासी 22 वर्षीय युवती बैरागढ़ स्थित एक कपड़े की दुकान पर काम करती है। रविवार की रात करीब ग्यारह बजे वह आटो में सवार होकर दुकान से घर लौट रही थी। आसाराम चौराहे पर आटो में एक और लड़का बैठ गया। उसने दोस्त को फोन लगाने के लिए युवती से मोबाइल मांगा तो युवती ने मदद करते हुए उसे अपना मोबाइल दे दिया। दोस्त को फोन लगाने के बाद लड़के ने मोबाइल वापस कर दिया था। करोंद चौराहे पहुंचकर युवती आटो से उतरी तो वह लड़का भी उतर गया और युवती के साथ अकारण ही गाली-गलौज करने लगा। युवती ने जब इसका विरोध किया तो लड़के ने झूमाझटकी करते हुए उसके साथ मारपीट कर दी और जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से भाग गया। पीड़िता ने घर जाकर परिजनों को बताया और उसके बाद थाने जाकर मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कराई।

आसपास के लोगों ने मारपीट करने वाले युवक का नाम अजय बताया है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। मामूली बात पर युवक के साथ मारपीट भोपाल। बैरागढ़ इलाके में रहने वाले एक युवक के साथ तीन लोगों ने मामूली बात को लेकर मारपीट कर दी। जानकारी के अनुसार दीपक दांगी (10) सीटीओ बैरागढ़ में रहता है और मजदूरी करता है। रविवार की रात करीब पौने ग्यारह बजे वह गाड़ी में पेट्रोल भरवाने के लिए पंप पर जा रहा था। रास्ते में विक्की ठाकुर और महेंद्र मिले और पुरानी बात को लेकर विवाद करने लगे। दीपक ने जब उनका विरोध किया तो दोनों ने मिलकर उसके साथ मारपीट कर दी। इस दौरान तीसरा तीसरा साथी कुन्नू भी पहुंच गया। डंडा लगने से दीपक के सिर और पीठ में गंभीर चोट आई है। पुलिस ने तीनों के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज कर लिया है।

### उपभोक्ता फोरम ने लगाया 10 हजार का जुर्माना

# नगर निगम कमिश्नर को संपत्ति कर वसूलना पड़ रहा भारी

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

नगर निगम द्वारा संपत्ति कर की दोहरी वसूली का मामला सामने आया है, जिसमें निगम पर उपभोक्ता फोरम ने 10,000 रुपए का जुर्माना लगाया है। यह मामला कोलुआकला की रहने वाली योगिता दीक्षित का है, जिनके दो मंजिला मकान का साल 2020-21 का संपत्ति कर पहले ही जमा हो चुका था। बावजूद इसके, उनसे दोबारा संपत्ति कर वसूला गया।

योगिता दीक्षित ने साल 2020-21 में अपने मकान का संपत्ति कर 1,697 रुपए जमा कराए थे, लेकिन साल 2021-22 के लिए नगर निगम के नागरिक सेवा केंद्र ने उनसे 3,933 रुपए की मांग की। नागरिक सेवा केंद्र का तर्क था कि साल 2020-21 का कर जमा नहीं हुआ है, हालांकि योगिता ने जमा रसीद दिखा दी थी। इसके बावजूद उन्हें अधिक राशि जमा कराई गई। शिकायत करने पर निगम ने आश्वासन दिया कि जमा की गई अतिरिक्त राशि अगले साल समायोजित कर दी जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

### योगिता ने उपभोक्ता फोरम में की शिकायत

योगिता ने इसके बाद उपभोक्ता फोरम में मामला दर्ज कराया। फोरम की बेंच-2 की अध्यक्ष गिरिबाला सिंह ने मामले की सुनवाई करते हुए निगम कमिश्नर पर 10,000 रुपए का हर्जाना लगाने का आदेश दिया।




इसमें 5,000 रुपए मानसिक कष्ट के लिए और 5,000 रुपए वाद-व्यय के रूप में तय किए गए। बाद में, नगर निगम ने उपभोक्ता फोरम में शिकायत दर्ज होने के बाद अधिक वसूली गई राशि को अगले साल समायोजित कर दिया।

### उपभोक्ता फोरम क्या है?

उपभोक्ता फोरम एक ऐसी जगह है जहां किसी दुकान, कंपनी या सेवा देने वाले द्वारा धोखा देने, खराब सामान देने या ठीक से सेवा न देने पर शिकायत की जाती है। यहां बिना ज्यादा खर्च और कम कागजी झंझट के मामले सुने जाते हैं और जरूरत पड़े तो पैसे वापस, मरम्मत/बदलाव या मुआवजा दिलाया जा सकता है।

# कार की टक्कर से स्कूटर सवार दंपति घायल

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

एमपी नगर इलाके में एक तेज रफ्तार कार की टक्कर से स्कूटर सवार दंपति और बच्चे घायल हो गए। जानकारी के अनुसार जहांगीराबाद निवासी राकेश चतुर्वेदी (31) चार इमली इलाके में सिक्योरिटी गार्ड का काम करते हैं। सोमवार को वह अपनी ओला स्कूटर पर पत्नी और दो बच्चों को लेकर जहांगीराबाद से एमपी नगर की तरफ जा रहे थे। ईओडब्ल्यू आफिस चौराहे के पास पहुंचने पर एक तेज रफ्तार कार ने उनकी स्कूटर को टक्कर मार दी, जिससे चारों लोग सड़क पर गिरकर घायल हो गये। पुलिस ने टक्कर मारने वाले कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

# बाइक की टक्कर से व्यक्ति को आई गंभीर चोट

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

कोलार इलाके में सड़क क्रास कर रहे एक व्यक्ति को बाइक चालक ने टक्कर मारकर घायल कर दिया। घायल को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार संजय खरात (56) प्रियंका नगर कोलार रोड पर रहते हैं और एक ढाबे पर काम करते हैं। बीती तीस अगस्त की शाम करीब साढ़े पांच बजे वह ढाबे के सामने सड़क क्रास करके दूसरी तरफ जा रहे थे, तभी एक तेज रफ्तार अज्ञात बाइक चालक ने उन्हें टक्कर मार दी। ढाबे वालों ने उनका प्राथमिक इलाज कराने के बाद घर छोड़ दिया था। रात को बेटा चंद्रप्रकाश काम से आया तो उसे घटना का पता चला। उसके बाद वह पिता को इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल ले गया और उसके बाद बैरागढ़ स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। सोमवार को उसने थाने जाकर टक्कर मारने वाले अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ एक्सीडेंट का केस दर्ज करवाया।

# रंगदारी मांगने वाले आरोपी छुरी के साथ पकड़ाए

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

गौतम नगर पुलिस ने एक दुकानदार से रंगदारी मांगने वाले आरोपियों को छुरी के साथ गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार शिवशक्ति नगर छोला मंदिर में रहने वाले दीपक तिवारी गौतम नगर इलाके में चाय की दुकान चलाते हैं। बीती उनतीस अगस्त की रात करीब साढ़े नौ बजे दो लड़के हाथ में छुरी लेकर पहुंचे और दस हजार रुपये महीना देने की बात करने लगे। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया था। जांच के बाद पुलिस ने आरोपी फरहान उर्फ फरान और अयान उर्फ अय्यू निवासी निशातपुरा को छुरी के साथ गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

**मेट्रो एंकर** भोपाल क्राइम ब्रांच ने किया बड़ा खुलासा, दादा-बेटा और पोता चला रहे थे अवैध हथियार की फैक्ट्री

# कृषि उपकरण निर्माण के नाम पर बना रहे थे हथियार

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

**क्राइम ब्रांच ने अवैध हथियार रखने वाले तस्करों को पकड़ा है। सूचना मिली थी कि कुछ शातिर अपराधी वाहन चोरी एवं अवैध हथियारों से जुड़े हुए हैं और निशातपुरा क्षेत्र में निवास कर रहे हैं।**

टीम ने दबिश दी और तीन संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लिया। इनके कब्जे से तीन वाहन बरामद किए गए, जिन्हें हनुमानगंज थाने के सुपुर्द किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि मुख्तार खान हथियारों की अवैध सप्लाई में शामिल है। उसे हिरासत में लेकर तलाशी ली गई, जिसमें उसके पास से पिस्टल बरामद हुई। मुख्तार खान ने खुलासा किया कि पिस्टल उसे सुरेंद्र विश्वकर्मा से मिली थी। सुरेंद्र ने टीकमगढ़ में

एक उन्नत स्तर की अवैध हथियार फैक्ट्री स्थापित की। जांच में यह सामने आया कि सुरेंद्र और उनका परिवार वर्षों से अवैध शस्त्र निर्माण में संलिप्त रहा है। सुरेंद्र का पिता आनंदी विश्वकर्मा लगभग 40 वर्षों से लेथ मशीन के माध्यम से ट्रॉली और कृषि उपकरण निर्माण के नाम पर हथियार बनाता रहा। उसकी तकनीक उसने अपने फुलेरा निवासी रिश्तेदार से सीखी थी।

## आरोपी का बेटा और नाबालिग भी शामिल

आनंदी विश्वकर्मा ने अपने पूरे परिवार को अवैध गतिविधियों में शामिल किया। सुरेंद्र के जेल जाने के बाद भी परिवार ने हथियार निर्माण जारी रखा। इसके अलावा उसके नाबालिग पोते और बेटा धर्मेंद्र भी इस कार्य में लगे थे। जब सुरेंद्र और उसका बेटा पहले स्थानीय पुलिस द्वारा गिरफ्तार हुए, तब भी यह काम बंद नहीं किया गया। सुरेंद्र ने हथियार बनाने के लिए उन्नत मशीनों और उपकरणों के साथ फैक्ट्री स्थापित की। पहले केवल कलपुर्जे बाहर से लाकर असेंबल किए जाते थे, लेकिन अब सभी कलपुर्जे स्थानीय स्तर पर बनाए जा रहे थे। फैक्ट्री को छुपाने के लिए दूरस्थ वेयरहाउस का इस्तेमाल किया गया। सुरेंद्र ने अपने परिचित को पार्टनर बनाया और उसे 20,000 रुपए प्रति माह किराया दिया। निर्माण का काम परिवार के सदस्य करते थे, जबकि ग्राहक संपर्क और वितरण कुछ सहयोगियों के माध्यम से किया जाता था। सुरेंद्र विश्वकर्मा पूर्व में लूट के प्रकरण में 7 वर्ष की सजा काट चुका है। जनवरी 2025 में जेल से रिहा होने के बाद उसने पुन: अवैध शस्त्र निर्माण शुरू किया। इस मामले में आरोपी मुख्तार खान, सुरेंद्र विश्वकर्मा, सैफ अली उर्फ रिंकू, मुमताज अली और आनंदी विश्वकर्मा शामिल हैं, जबकि फरार आरोपी नरेन्द्र प्रताप सिंह परमार है। लेथ मशीनें, वेल्डिंग मशीन, ड्रिल मशीन, मिलिंग मशीन, ब्लेंडर मोटर, देसी पिस्टल, तीन अधूरी पिस्टल, बैरल, लोहे के फ्रेम, ट्रिगर, स्लाइडर, कारतूस, मैगजीन, बट की लकड़ी और अन्य कलपुर्जे जब्त किए गए हैं।

# आयशर ट्रक ने बैंककर्मी की कार को मारी टक्कर

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मिसरोद इलाके में एक तेज रफ्तार आयशर ट्रक ने बैंककर्मी की कार को टक्कर मार दी, जिससे कार का पिछले हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। जानकारी के अनुसार कृष्ण कुमार सिंह (34) होशंगाबाद का रहने वाले हैं और सीहोर स्थित बैंक ऑफ इंडिया में नौकरी करते हैं। सोमवार सुबह करीब सवा नौ बजे वह अपनी कार से होशंगाबाद रोड होकर सतराना जा रहे थे। निर्माणाधीन सेज माल के पास पहुंचने पर पीछे से आ रहे तेज रफ्तार आयशर ट्रक ने उनकी कार में टक्कर मार दी, जिससे कार का पिछला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 ( *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022